राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 25 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–89 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेना ने ढेर किए दो आतंकी

पुलवामा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, दो दहशतगर्द मारे गए, अन्य की तलाश जारी

श्रीनगर। पुलवामा के पाहू इलाके में रविवार दोपहर सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें दो आतंकियों को मार गिराया गया है। अन्य की तलाश जारी है। सुरक्षाबलों ने उन्हें घेर रखा है। दोनों ओर से गोलीबारी जारी है। सुरक्षाबलों चौकसी के साथ आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि पुलवामा में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकियों के मौजूद होने के बाद ऑपरेशन चलाया गया है। इससे पहले शनिवार की शाम दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के दो पाकिस्तानी दहशतगर्द समेत दो को मार गिराया है। तीन दिनों में घाटी में दो अलग-अलग मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने छह आतंकियों का काम तमाम कर किया। मौके से दो एके-47, सात मैग्जीन, नौ ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि जिले के मीरहामा इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों ने इलाके को घेरकर तलाशी अभियान चलाया था। घेरा सख्त होते देख छिपे आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि, सुरक्षा बलों ने संयम बरतते हुए आतंकियों को समर्पण करने का मौका दिया। बार-बार अपील करने के बाद भी आतंक नहीं माने और उन्होंने फायरिंग जारी रखी। जवाबी कार्रवाई से एक के बाद एक कर दो आतंकी ढेर कर दिए गए। इस बीच जम्मू-

कश्मीर पुलिस ने दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर आरोप है कि ये आतंकियों को सीमा से सुजवां तक लेकर आए थे। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि चालक बिलाल अहमद वागे और उसके सहायक इश्फाक चोपान को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले से पकड़ा गया। इससे पहले पुलिस ने मुठभेड़ के संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था तथा एक अन्य को हिरासत में लिया था। वागे और चोपान पर पश्तो भाषा बोलने वाले जेईएम के दो आतंकवादियों को मुठभेड़ से एक दिन पहले सांबा जिले के सुपवाल से जम्मू में सुजवां तक लाने का आरोप है। ये आतंकवादी सीमा पार करके पाकिस्तान या अफगानिस्तान से आए थे।

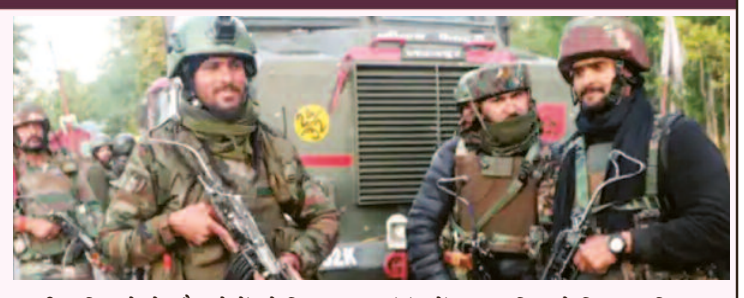

आगरा में बढ़ी कोरोना का रफ्तार

आगरा। करीब दो महीने बाद कोरोना संक्रमण के मामलों में बड़ा उछाल आया है। रविवार को 15 नए मरीज मिले हैं। इससे सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। इससे पूर्व इतने ही मरीज 27 फरवरी को मिले थे। तब से अब तक एक दिन में 15 से अधिक नए संक्रमित नहीं मिले। वहीं संक्रमण बढ़ने से प्रशासन की ओर से लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई है। जिला प्रशासन के अनुसार बीते 24 घंटे में 2367 लोगों की जांच की गई। इनमें 15 लोग संक्रमित पाए गए हैं। दो मरीज स्वस्थ भी हुए हैं। बता दें कि आगरा में तीन मार्च 2020 को पहला केस मिला था। इसके बाद तीन लहर आ चुकी हैं। कुल 36210 मरीज मिल चुके हैं, जिनमें 35711 ठीक हो गए। अब तक 465 मरीजों की मौत हो चुकी है।

मेरठ में प्रॉपर्टी विवाद में बीच सड़क पर भतीजे की चाकू से गोदकर हत्या

मेरठ। यूपी के मेरठ जिले में दिन दहाड़े प्रॉपर्टी विवाद में चाचा ने अपने ही भतीजे को बीच सड़क पर चाकुओं से गोद डाला। यह पूरी घटना ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र के इत्तेफाकनगर इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के दौरान सड़क पर राहगीर आ जा रहे थे, लेकिन किसी ने हमलावर को पकड़ने और पीड़ित को बचाने की जेहमत नहीं उठाई। हत्या के बाद हमलावर आराम से भाग निकले। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भिजवाया। घंटे वाली गली फिरोजनगर में मोहम्मद यूनुस का परिवार रहता है। वह स्क्रैप कारोबारी है। परिवार में पत्नी के अलावा पांच बेटे व एक बेटी है। रविवार दोपहर यूनुस का एक बेटा साजिद (19) दुकान से नमाज पढ़ने के लिए निकला। लौटते वक्त स्कूटी सवार तीन लोगों ने पहले

साजिद को टक्कर मारी और फिर सड़क पर गिराकर चाकू से ताबड़तोड़ वार करते हुए मौत के घाट उतार दिया। हत्यारोपियों के जाने के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को मोर्चरी भिजवा दिया। हत्या की वारदात पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है, जिसमें तीन शख्स कैद हुए हैं। तीनों की पहचान साजिद के चाचा शहजाद, जावेद व नौशाद के रूप में हुई है जो फरार बताए जा रहे हैं। हत्या की वारदात के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश में दबिश दी लेकिन वह फरार मिले। साजिद की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। एसपी सिटी विनीत भटनागर ने बताया कि हत्या की वजह प्रॉपर्टी विवाद सामने आया है।

भारत का ड्रैगन को करारा जवाब

चीनी नागरिकों को जारी टूरिस्ट वीजा किया सस्पेंड

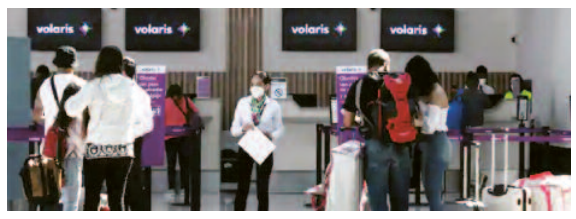

नई दिल्ली। भारत ने पड़ोसी देश चीन को तगड़ा झटका दिया है। भारत ने चीनी नागरिकों को जारी किए गए टूरिस्ट वीजा को निलंबित कर दिया है। ग्लोबल एयरलाइंस बॉडी इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने 20 अप्रैल को अपने कैरियर मेंबर को यह जानकारी दी है। भारत की ओर से यह कदम चीन विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे करीब 22000 भारतीय छात्रों को फिजिकल क्लास करने की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद उठाया है। चीन आज तक इन छात्रों को अपने देश में एंट्री से मना करते

आया है। साल 2020 में चीन में कोरोना महामारी की शुरूआत में इन छात्रों पढ़ाई बीच में छोड़कर भारत आना पड़ा था। भारत को लेकर 20 अप्रैल को जारी एक सर्कुलर में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने कहा, 'चीन (पीपुल्स रिपब्लिक) के नागरिकों को जारी किए गए टूरिस्ट वीजा अब वैध नहीं हैं।' सर्कुलर में यह भी कहा गया कि 10 साल की वैधता वाले टूरिस्ट वीजा अब मान्य नहीं हैं। आईएटीए करीब 290 सदस्यों वाला एक ग्लोबल बॉडी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने 17 मार्च को कहा था कि भारत ने बीजिंग से इस मामले में सौहार्दपूर्ण रुख अपनाने का आग्रह किया है क्योंकि सख्त प्रतिबंधों की निरंतरता हजारों भारतीय छात्रों के शैक्षणिक करियर को खतरे में डाल रही है। बागची ने कहा कि चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 8 फरवरी को कहा था कि चीन इस मामले को समन्वित तरीके से देख रहा है और विदेशी छात्रों को चीन लौटने की अनुमति देने पर विचार कर रहा है। बागची ने आगे कहा था कि चीन पक्ष की ओर से भारतीय छात्रों की वापसी के बारे में कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पंचायती राज दिवसः सीएम योगी बोले- हमें स्मार्ट शहरों के साथ स्मार्ट गांव भी बनाने हैं

जालौन। जिले के मुहम्मदाबाद में डकोर ब्लॉक के ऐरी रमपुरा गांव में पंचायती राज दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होने के लिए पहुंचे। उनके पहुंचते ही पंडाल जय श्री राम के नारों से गूंज उठा। इससे पहले सीएम ने सचिवालय परिसर और प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इसके बाद अन्न प्रसन और महिलाओं को गोद भराई कराई। साथ ही, ग्रामपंचायत के द्वारा कराए गए कार्यों का लोकार्पण किया। इन कार्यक्रमों का प्रसारण एलईडी पर दिखाया गया। बता दें कि ऐरी रमपुरा ग्राम पंचायत और जालौन जिला पंचायत का चयन राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार के लिए हुआ था। इस मौके पर सीएम योगी ग्राम प्रधान और जिला पंचायत अध्यक्ष को भी अवॉर्ड से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हमें स्मार्ट

शहर के संग स्मार्ट विलेज भी बनाने हैं। यदि गांव के लोगों की सकारात्म सोच प्रधान के संग मिले, तो प्रत्येक गांव को विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विकास का विकल्प नहीं, विकास की तमन्ना होनी चाहिए। इसी से गांव स्मार्ट बन सकेंगे। इस दौरान योगी जी ने क्षेत्र में 10वीं तक स्कूल के निर्माण की घोषणा भी की। साथ ही, प्राइमरी हेल्थ पोस्ट बनाई जाएगी, जिसे आगे चलकर प्राथमिक चिकित्सालय के रूप में विकसित किया जाएगा। कार्यक्रम में मंच पर केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद भानु प्रताप वर्मा, पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सबसे खास बात ये रही कि मंच पर कालपी से सपा विधायक विनोद चतुर्वेदी को भी स्थान मिला।

मन की बात जल संरक्षण का दिलाया संकल्प

तो छात्रों के मन से भगाया गणित का भूत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, साथियों, देश के प्रधानमंत्रियों के योगदान को याद करने के लिए आजादी के अमृत महोत्सव से अच्छा समय और क्या हो सकता है। देश के लिए यह गौरव की बात है कि आजादी का अमृत महोत्सव एक जन-आंदोलन का रूप ले रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, इतिहास को लेकर लोगों की दिलचस्पी काफी बढ़ रही है और ऐसे में पी.एम. म्यूजियम युवाओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन रहा है जो देश की अनमोल विरासत से उन्हें जोड़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा, आप सब जानते हैं कि 18 मई को पूरी दुनिया में इंटरनेशन म्यूजियम डे मनाया जाएगा। इसे देखते हुए अपने युवा साथियों के लिए मेरे पास एक आइडिया है। क्यों न आने वाली छुट्टियों में आप अपने दोस्तों की मंडली के साथ स्थानीय म्यूजियम देखने जाएं। आप अपना अनुभव #ट४री४टीङ्गश्चीर के साथ जरूर साझा करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, देश में कैशलेश गतिविधयां बढ़ रही हैं। हर दिन देश में 20 हजार करोड़ रुपये का कैशलेश ट्रांसजेक्शन हो रहा है। आप जो

गली के नुक्कड़ की दुकानों पर यूपीआई पेमेंट करते हैं, इसका देश की तरक्की में बड़ा योगदान है। प्रधानमंत्री ने कहा, मार्च के महीने में यूपीआई ट्रांजेक्शन 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। प्रधानमंत्री ने कहा, इस समय आजादी के 75वें साल में आजादी के अमृत महोत्सव में देश जिन संकल्पों को लेकर आगे बढ़ रहा है, उसमें जल संरक्षण भी एक है। अमृत महोत्सव के दौरान देश के हर जिले में 75 अमृत सरोवर बनाए जाएंगे। आप कल्पना कर सकते हैं कि यह कितना बड़ा अभियान है। प्रधानमंत्री ने कहा, वो दिन दूर नहीं जब आपके अपने शहर में 75 अमृत सरोवर होंगे। मैं आप सभी से और खासकर युवाओं से चाहूंगा कि वो इस अभियान के बारे में जानें और इसकी जिम्मेदारी भी उठाएं। अगर आपके क्षेत्र में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा कोई इतिहास है, किसी सेनानी की स्मृति है तो उसे भी अमृत सरोवर से जोड़ सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि परीक्षा पर चर्चा के दौरान कुछ विद्यार्थियों ने कहा था कि उन्हें गणित से बहुत डर लगता है। साथियों गणित तो ऐसा विषय है, जिसे लेकर हम भारतीयों को सबसे ज्यादा सहज होना चाहिए। आखिर, गणित को लेकर पूरी दुनिया के लिए सबसे ज्यादा शोध और योगदान भारत के लोगों ने ही तो दिया है। पीएम ने कहा कैलकुलस और कम्प्यूटर्स तक ये सारे वैज्ञानिक आविष्कार जीरो पर ही तो आधारित हैं। शून्य यानी जीरो की खोज और उसके महत्व के बारे में आपने खूब सुना होगा। अगर जीरो की खोज न होती तो दुनिया की इतनी वैज्ञानिक प्रगति भी न देख पाती।

गुजरात में कांग्रेस को झटकाः कैलाश गाधवी ने पार्टी छोड़ी

अहमदाबाद। विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात में कांग्रेस गुटबाजी और नेताओं की नाराजगी से परेशान है। हार्दिक पटेल की नाराजगी के बीच राज्य कांग्रेस को रविवार को एक और झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता कैलाश गाधवी ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। गाधवी ने कहा कि वह राज्य में अहंकारी भाजपा सरकार से लड़ना जारी रखेंगे। इससे पहले कैलाश गाधवी ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी। गाधवी ने कहा कि गुजरात में भाजपा की सरकार लोगों को स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं के साथ-साथ सुरक्षा और रोजगार प्रदान करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि कि सत्तारूढ़ सरकार ने अपने 27 साल के शासन के दौरान राज्य को राजनीति की प्रयोगशाला बना दिया था। दिल्ली में आप विधायक और पार्टी के गुजरात प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत ने कहा कि यह उत्साहजनक संकेत है कि भाजपा और कांग्रेस के नेता यहां उनकी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। अभी कई नेता पार्टी में शामिल होने वाले हैं। उन्होंने हाल ही में राज्य में हुई परीक्षा के पेपर लीक को लेकर भूपेंद्र पटेल सरकार पर हमला किया।

शाह का पुडुचेरी दौराः बोले- कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से बंगाल तक संस्कृति ने देश को बांधे रखा

पुडुचेरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को पुडुचेरी पहुंचे। यहां उन्होंने महाकवि भारतियार मेमोरियल संग्रहालय का दौरा किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री के साथ पुदुचेरी के उपराज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन और सीएम एन रंगास्वामी भी मौजूद रहे। इसके अलावा गृहमंत्री ने अरबिंदो आश्रम का भी दौरा किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय गरीब लोगों की योजनाओं को नीचे तक पहुंचाने की जगह, जब उनके नेता

आते थे तो झूठे अनुवादों से नेताओं को अलग प्रकार की सूचनाओं को पहुंचाने का काम होता था। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि संस्कृति वह साझा सूत्र है, जिसने देश को कश्मीर से कन्याकुमारी तक के नागरिकों को बांध रखा है और जिस दिन भारत को भू-सांस्कृतिक देश के तौर पर देखना शुरू कर दिया जाएगा, उस दिन सभी समस्याओं का अपने आप निदान हो जाएगा। शाह ने कहा कि दुनिया के सारे देश जियो-पॉलिटिकल हैं लेकिन भारत एकमात्र ऐसा देश है जो जियो-कल्चर यानी भू-सांस्कृतिक है। उन्होंने कहा कि अगर भारत को जियो-कल्चर देश के नाते समझने की शुरूआत करेंगे तो आज की सभी समस्याओं का समाधान अपने आप हो जाएगा। कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से बंगाल तक कहीं ना कहीं एक ही संस्कृति हम सबको बांधे हुए है। संविधान हम सबके लिए सम्मानयोग्य है लेकिन बॉडिंग यानि अपनापन अगर है तो वो ये संस्कृति

चिंतन शिविर के बाद सचिन होंगे राजस्थान में कांग्रेस के पायलट, जा सकती है अशोक गहलोत की कुर्सी?

जयपुर। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर बीते कुछ दिनों में कई बार कांग्रेस की लीडरशिप से मुलाकात कर चुके हैं और उनके पार्टी में आने की चर्चाएं जोरों पर हैं। इस बीच अंदरखाने कांग्रेस राजस्थान को लेकर भी बड़ी तैयारी में जुटी दिख रही है। एक तरफ प्रशांत किशोर को कांग्रेस में लाने की कोशिश सोनिया गांधी कर रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ लीडरशिप में नए चेहरों को लाने पर विचार कर रही हैं। इसकी शुरूआत राजस्थान से ही हो सकती है, जहां सचिन पायलट लगातार दावेदारी कर रहे हैं। पिछले दिनों सचिन पायलट ने जब सोनिया गांधी से दिल्ली आकर मुलाकात की तो कयास और तेज हो गए। इस बीच चचाएं यहां तक शुरू हो गई हैं कि उदयपुर में 13 से 15 मई के दौरान आयोजित होने वाले चिंतन शिविर के बाद राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन हो सकता है। इन चचाओं को अशोक गहलोत के एक बयान से भी हवा मिल गई है, जिसमें उन्होंने कहा कि मेरा इस्तीफा तो हमेशा से सोनिया गांधी के पास रहा है। आमतौर पर अशोक गहलोत बेहद सधकर बात करते रहे हैं, लेकिन

उनकी इस टिप्पणी से ऐसे कयास तेज हैं कि क्या कांग्रेस लीडरशिप बदलने पर विचार कर रही है। हालांकि सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या सचिन पायलट के दबाव में इस्तीफा मांगे जाने पर अशोक गहलोत आसानी से हाईकमान के फैसले को मान लेंगे? अशोक गहलोत ने कहा था, 'मेरा इस्तीफा हमेशा सोनिया गांधी के पास रहा है। जब कांग्रेस सीएम बदलना चाहेगी तो किसी को संकेत नहीं मिलेगा। किसी से भी इस पर बात नहीं की जाएगी। कांग्रेस का हाईकमान फैसले लेने के लिए स्वतंत्र है।' दिलचस्प है कि पीके ने भी कांग्रेस को दी गई अपनी प्रजेंटेशन में कहा था कि उसे राज्य और जिला के स्तर पर युवा लीडरशिप को उभारना होगा। उनका कहना था कि 2024 के आम चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कांग्रेस को उन राज्यों में अच्छा प्रदर्शन करने की तैयारी करनी होगी, जहां उसकी सीधी फाइट कांग्रेस से है। इन राज्यों में मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात आदि राज्य हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है। - राल्फ वाल्डो एमर्सन

संपादकीय

विरासत की ताकत

राजग सरकार के दौरान भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को खासी प्रतिष्ठा मिली है। योग को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाना और उसे पूरी दुनिया में सहज-सरल उपलब्ध कराना इसी मुहिम का हिस्सा है। इसी कड़ी में गुजरात में तीन दिवसीय ग्लोबल आयुष एंड इनोवेशन समिट का आयोजन हुआ। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस अदानोम घेब्रेयसस व मॉरीशस के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की आधारशिला रखी जिसका मकसद आधुनिक विज्ञान के साथ प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को मिलाकर इनकी क्षमताओं का वैश्विक प्रयोग करना है। यह अपने किस्म का पहला केंद्र होगा, जो विश्व में परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों की प्रतिष्ठा स्थापित करेगा। निस्संदेह यह दुनिया में पारंपरिक चिकित्सा के नये युग की शुरुआत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख के अनुसार, इस केंद्र में पांच क्षेत्रों में अनुसंधान, नेतृत्व, साक्ष्य एवं शिक्षा, डेटा एवं विश्लेषण, स्थायित्व एवं समानता और नवाचार एवं प्रौद्योगिकी शामिल होंगे। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने गर्व से कहा कि यह केंद्र महज संयोग नहीं है, मेरे भारतीय शिक्षकों ने मुझे पारंपरिक दवाओं के बारे में अच्छी तरह से सिखाया था। निस्संदेह विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से बन रहा जीसीटीएम पारंपरिक चिकित्सा के लिये ज्ञान का केंद्र बनेगा। साथ ही भविष्य में वैश्विक कल्याण के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के रूप में उभरेगा, जिसमें पारंपरिक औषधियों को वैज्ञानिक तरीके से बनाने का काम होगा। जब पारंपरिक औषधियों को तकनीकी प्रगति और साक्ष्य आधारित शोध के साथ जोड़ा जायेगा तो इनकी वैश्विक विश्वसनीयता बढ़ेगी। इसके अलावा पारंपरिक दवाओं का एक डेटाबेस भी तैयार हो सकेगा। कालांतर जीसीटीएम पारंपरिक दवाओं के परीक्षण व प्रमाणीकरण के लिये अंतर्राष्ट्रीय मानक बनायेगा जिससे दुनिया में इन परंपरागत दवाओं के प्रति भरोसा जगेगा। जाहिर है कि वैश्विक विशेषज्ञों के साथ आने से इसका लाभ पूरी दुनिया को मिल सकेगा। लेकिन जरूरी है कि इस क्षेत्र में अनुसंधान के लिये पर्याप्त धन जुटाया जाये। साथ ही विशिष्ट रोगों के समग्र उपचार हेतु वैश्विक प्रोटोकॉल भी तैयार हो। दरअसल, भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में करीब अस्सी फीसदी आबादी किसी न किसी रूप में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का प्रयोग कर रही है। दुनिया के लाखों लोगों की पहली पसंद परंपरागत चिकित्सा पद्धति ही है जिसमें आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति, एक्यूपंक्चर,योग व विभिन्न हर्बल उपचार शामिल हैं। तभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को सशक्त करने के लिये विज्ञान की शक्ति का सहारा लिया जायेगा। जाहिर है परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों के एकीकरण से दुनिया की एक बड़ी आबादी को इसका लाभ मिलेगा। यदि डब्ल्यूएचओ के सहयोग से ये प्रयास सिरे चढ़ते हैं तो भारत दुनिया में पारंपरिक चिकित्सा का अगुआ बन सकता है। इसकी वजह है कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धतियों में से एक है। दुनिया के हर भाग में मानव सभ्यता ने अपनी सीमाओं व संसाधनों के अनुरूप चिकित्सा से जुड़ी ज्ञान प्रणालियां विकसित की हैं। उनके जरिये न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रोगों की पहचान, रोकथाम व उपचार का कार्य किया जाता रहा है। यही वजह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देशों में 170 में अस्सी फीसदी आबादी प्राथमिक उपचार के रूप में स्थानीय पारंपरिक चिकित्सा पर निर्भर है। इसका मूल कारण आधुनिक चिकित्सा का महंगा होना और इसके साइड इफेक्ट का होना भी है।

आज के कार्टून

दोषारोपण

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक बार गुरु आत्मानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पाठ पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले-'अब तुम चारों इस पाठ का स्वाध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुममें से कोई बोले नहीं। एक घंटे बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा।' यह कह कर गुरु आत्मानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य बैठ कर पाठ का अध्ययन करने लगे। अचानक बादल घिर आए और वप्रा की संभावना दिखने लगी। यह देख कर एक शिष्य बोला-'लगता है तेज बारिश होगी।' यह सुन कर दूसरा शिष्य बोला-'तुम्हें बोलना नहीं चाहिए था। गुरु जी ने मना किया था। तुमने गुरु जी की आज्ञा भंग कर दी।' तभी तीसरा शिष्य भी बोल पड़ा-'तुम भी तो बोल रहे हो।' इस तरह तीन शिष्य बोल पड़े, अब सिर्फ चौथा शिष्य बचा। वो कुछ भी न बोला। चुपचाप पढ़ता रहा। एक घंटे बाद गुरु जी लौट आए। उन्हें देखते ही एक शिष्य बोला-'गुरुजी! यह मौन नहीं रहा, बोल दिया।' दुसरा बोला-'तो तुम कहां मौन थे, तुम भी तो बोले थे।' तीसरा बोला-'इन दोनों ने बोल कर आपकी आज्ञा भंग कर दी।' यह सुन पहले वाले दोनों फिर बोले-'तो तुम कौन सा मौन थे, तुम भी तो हमारे साथ बोले थे।' चौथा शिष्य अब भी चुप था। यह देख गुरु जी बोले-'मतलब तो यह हुआ कि तुम तीनों ही बोल पड़े। बस यह चौथा शिष्य ही चुप रहा अर्थात सिर्फ इसी ने मेरी शिक्षा ग्रहण की और मेरी बात का अनुसरण किया। यह निश्चय ही आगे योग्य आदमी बनेगा। परंतु तुम तीनों पर मुझे संदेह है। एक तो तुम तीनों ने मेरी आज्ञा का उल्लंघन किया; और वह भी एक-दूसरे की गलती बताने के लिए। और ऐसा करने में तुम सबने स्वयं की गलती पर ध्यान न दिया। आम तौर पर सभी लोग ऐसा ही करते हैं। दूसरों को गलत बताने और साबित करने की कोशिश में स्वयं कब गलती कर बैठते हैं, उन्हें इसका अहसास भी नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्य लज्जित हो गए। कहना न होगा कि उन्होंने तत्काल अपनी भूल स्वीकार की, पश्चाताप भी किया और गुरु जी से तत्काल क्षमा मांगी और साथ ही स्वयं को सुधारने का वचन भी दिया।

यक्रेन से आगे की दुनिया

शशि शेखर

आज यूक्रेन पर रूसी हमले के दो महीने पूरे हो गए। क्या आपको नहीं लगता कि हम अवश दुनिया में रह रहे हैं? एक बलवान पड़ोसी अपने से कहीं कमजोर मुल्क को लूट-खसोट रहा है, उसके सैनिक महिलाओं-नाबालिगों से बलात्कार कर रहे हैं, बड़ी संख्या में लोगों को अगवा कर बेचने के आरोप लग रहे हैं और तथाकथित 'ग्लोबल विलेज' के हुक्मरां निरुपाय खड़े हैं। संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी संस्था 'ऑफिस ऑफ दि हाई कमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स' (ओएचसीएचआर) के मुताबिक, 24 फरवरी से पिछले सप्ताह तक 50 लाख लोग यूक्रेन से पलायन कर चुके हैं। अब तक दो हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें अबोध बच्चे भी हैं। इन अबोध बच्चों की भला किससे क्या दुश्मनी थी, पर क्रूर सत्ता-पिपासा सिर्फ लहू देखती है। दुनिया के शीर्ष अरबपतियों में शुमार रूसी कारोबारी ओलेग तिनकोव ने इसे 'पागलपन का युद्ध' करार दिया है। व्लादिमीर पुतिन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1820 के मुताबिक युद्ध-अपराध का मुकदमा चलाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। हालांकि, यूक्रेन उनके लगातार दांत खट्टे कर रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने खुद माना है कि पहले एक महीने में उसके 1,351 सैनिक शहीद हुए और 3,825 घायल हुए। बाद के दिनों में यह संख्या शायद इतनी बढ़ी कि मंत्रालय ने सूचनाएं सार्वजनिक करने से परहेज बरतना शुरू कर दिया। यही वजह है कि खिसियाए पुतिन संहारक हमलों का विस्तार करते जा रहे हैं। तीन दिन पहले रूसी फौजों ने जबरदस्त लड़ाई के बाद समुद्री शहर मारियुपोल पर कब्जा कर लिया था। अब उनकी नजर डोनबास और ओडेसा पर है। मारियुपोल अगर यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, तो ओडेसा इस देश का सबसे बड़ा बंदरगाह। अगर रूसी टैंक वहां काबिज हो गए, तो यूक्रेन 'लैंड लॉक्ड' यानी समुद्र विहीन देश बनकर रह जाएगा। इस स्थिति में आसानी से वह न निर्यात कर पाएगा, न ही आयात। ऐसी स्थिति में जेलेंस्की को हटाकर कोई कठपुतली हुक्मरां तैनात करना आसान होगा। सवाल उठ रहा है, दुनिया के ताकतवर देश कब तक यूं ही जुबानी जुगालियां करते रहेंगे? बाहरी दखल रोकने के लिए पुतिन धमकी दे चुके हैं कि यूक्रेन में किसी और की आमद परमाणु युद्ध की शुरुआत होगी। अपनी इस धमकी को वास्तविकता का चोगा पहनाने के लिए उन्होंने परमाणु कमांड को सक्रिय कर दिया है। क्या हम तीसरे विश्व-युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं? तय है, विश्व-युद्ध हो न हो, पर यह दुनिया अब पहले जैसी नहीं रहेगी। ऐसा कहने की सबसे बड़ी वजह यह है कि यूरोप में रूस के खिलाफ अभूतपूर्व लामबंदी दिख रही है। इस महाद्वीप की चिंताएं बहुआयामी हैं। जर्मनी के एक महत्वपूर्ण नेता ने युद्ध शुरू होते ही कहा था कि हम अब तक सुरक्षा अमेरिका से, ऊर्जा रूस से और जरूरी सामान चीन से आयात करते रहे हैं। एक ही झटके में यह सब कुछ बिखरता लग रहा है। सिर्फ जर्मनी ही नहीं, यूरोप के अन्य देशों के साथ अफ्रो-एशियाई देश भी अब अलग उपाय अपनाने पर मजबूर हो रहे हैं। यह ठीक है कि सस्ते दामों पर उपलब्ध रूसी तेल अभी तक पुतिन का हौसला बचाए हुए है, मगर उन पर कूटनीतिक शिकंजा कसता जा रहा है। आने वाले दिनों में रूसी तेल और अन्य उत्पादों पर लगाम लगती जाएगी। एक उदाहरण देता हूं। न केवल 600 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय ब्रांड सोवियत भूमि से किनारा कर गए हैं, बल्कि शीर्षतम शिपिंग कंपनियां भी वहां जाने से कतरा रही हैं। इसके सर्वाधिक असर वाले उत्पादों में अखबारी कागज भी शामिल है। रूस कागज का प्रमुखतम निर्यातक है और वहां से आपूर्ति बंद होने के कारण अखबारी कागजों की कीमत में 175 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। आने वाले दिनों में दुनिया भर में अखबारों को पन्ने कम करने और दाम बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ सकता है। यही नहीं, कुछ कंपनियां तो समूचा स्टील और कच्चे तेल के अलावा पाम ऑयल यूक्रेन से आयात करती थीं, वह बाधित हो गया है। कोरोना जो नहीं कर पाया, वह इस युद्ध ने कर दिखाया है। इससे बदहाली बढ़ने के संकेत साफ दिख रहे हैं। इसके साथ तमाम देशों ने अपने रक्षा बजट में मजबूरन दोगुनी तक की बढ़ोतरी कर दी है। उन्हें प्रतिरक्षा सामग्री की खरीद के लिए अन्य खर्चों में जबरदस्त कटौती करने को बाध्य होना पड़ेगा। इसका असर गरीबी उन्मूलन, मारक बीमारियों से बचाव और पर्यावरण पर सर्वाधिक पड़ने वाला है। पिछले तीन दशक 'शांति, समृद्धि और विकास' के थे, पर इस आक्रमण ने उन्हें अतीत की बात बना दिया है। समाजशास्त्री आशंकित हैं कि भय, भूख, गरीबी और पर्यावरण की बेकदरी अराजकता को बढ़ावा देगी। रूस ने जब सीरिया पर बमबारी की थी, तब जलावतनों के जत्थे के जत्थे यूरोप के दर पर दस्तक देने लगे थे। इससे वहां सामाजिक असंतुलन पैदा होने की आशंका फैली। आशंकाओं के डैने धुर दक्षिणपंथ के प्रसार में बड़ी भूमिका अदा करते हैं। कट्टरपंथी इन देशों में चुनाव भले न जीत पाएं, पर कट्टरता को पैर पसारने से कोई नहीं रोक सकता। भारत के लिए यह स्थिति चुनौती और अवसर, दोनों लेकर आई है। इस सारे तमाशे में रूस के साथ चीन के भी अलग-थलग पड़ने के संकेत दिख रहे हैं। अमेरिका और पश्चिम पहले से ही बीजिंग की उभरती शक्ति से आशंकित और आतंकित थे। रूस को चीन से मिल रहा सहयोग उसे बढ़ावा दे रहा है। चीन को भी आने वाले दिनों में तरह-तरह की बंदिशों अथवा बहिष्कार का सामना करना पड़ सकता है। भारत ऐसे में सहज विकल्प के तौर पर उभरता है। पिछले सप्ताह ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच में हुई बातचीत के परिणाम इसकी ताईद करते हैं। कुछ भले संकेत तो अभी से ही मिलने लगे हैं। मसलन, इस साल किसानों को खरीद के लिए ज्यादा माथापच्ची नहीं करनी पड़ रही। पिछले वर्षों के मुकाबले इस साल निजी कारोबारी किसानों से बेहतर मूल्य में अधिक गेहूं खरीद रहे हैं। पंजाब में निजी कारोबारियों ने अब तक पिछले आठ सालों में सबसे अधिक खरीद की है। दुनिया भर में बढ़ती महंगाई के मद्देनजर निजी कारोबारी अनाज निर्यात की संभावनाएं देख रहे हैं। भारतीय दवा कंपनियों से भी यूरोप ने संपर्क साधा है। युद्ध के प्रसार की स्थिति में इस महाद्वीप को तरह-तरह की दवाओं की आवश्यकता पड़ेगी। वैसे भी, चीन पर अति-निर्भरता की वजह से औषधि बाजार में सन्नाटा है। यही नहीं, यूरोप के तमाम देश अभी दक्ष कारीगरों और अभियंताओं की कमी से जूझने जा रहे हैं, क्योंकि वहां स्टील, टेक्सटाइल्स और अन्य कारखाने लगाने के प्रस्ताव तेजी पकड़ चुके हैं। भारत में विश्व के सर्वाधिक ग्रेजुएट हैं। इनमें इंजीनियर और डॉक्टर भी शामिल हैं। आने वाला समय भारतीय दक्षता के प्रसार का हो सकता है। उम्मीद है, नई दिल्ली की सजग सतर्कता आने वाले दिनों में समूची दुनिया में भारत को उसका उचित स्थान दिलाने में कामयाब होगी।

यादों में हरदम एक जीवंत यूक्रेन

अस्मिता के अहसास/ संजीव कुमार शर्मा

अज़रबैजान की राजधानी बाकू में बुनियादी शिक्षा के बाद, आगे इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए मेरा यूक्रेन के शहर खमिलनित्सकी जाना तय हुआ। अगस्त 1990 का आखिरी हफ्ता था जहां तीन बिहारी 'रूम-पार्टनर्ज़' से बिछड़ने का दुख था, वहीं एशिया से निकल कर यूरोप पहुंचने की खुशी भी थी। करीब 2,500 किलोमीटर की यात्रा ट्रेन से लगभग दो दिन में पूरी होनी थी। एक अच्छे कूपे में यह यात्रा अपने आप में एक सुखद अनुभव था। मेरे अलावा, कूपे में रूसी मां-बेटी और एक यूक्रेनी बुज़ुर्ग थे। रूसी भाषा पर पकड़ होने से जल्दी ही उनसे दोस्ती हो गई, खासकर ऐलेना के साथ, शायद हमउम्र होने के कारण। एक ही केबिन में 48 घंटे से ज्यादा का सफर, एक-दूसरे को जानने के लिए यह काफी होता है। मां और बेटी को खमिलनित्सकी के पास एक शहर विनित्सा में कुछ काम था, और फिर उन्होंने अपने शहर वोल्गोग्राद (रूस) जाना था। ऐलेना ने अपना पता और फ़ोन नंबर साझा किया। चंडीगढ़ जितना ही छोटा, लेकिन बहुत ही साफ-सुथरा, खूबसूरत शहर था खमिलनित्सकी। दिल खुश हो गया। अच्छा हॉस्टल। कहां 'शरीफजादे मार्ग' वाला हॉस्टल, जहां एक कमरे में चार लोग, पूरी मंजिल के लिए साझा स्नान कक्ष, वो भी कमरे से 150-200 फुट दूर और कहां यह साफ-सुथरा 'इंस्तितुत्सकाया मार्ग' वाला हॉस्टल, दो और तीन लोगों वाले कमरों का एक सेट, बगल में शौचालय और बाथटब के साथ बाथरूम। मुझे दो लोगों वाला एक कमरा मिला और 'रूम-पार्टनर' यमन का लड़का आरिफ था। बहुत ही अच्छा। यूक्रेनियन भी बहुत अनुशासित, मिलनसार और नियमों का पालन करने वाले थे। मेरा पढ़ाई का कोई खर्चा नहीं था, हर महीने खर्च के लिए 90 रूबल स्टाइपेंड अलग से मिलता था। शहर में हम आठ-नौ भारतीय थे। इसके बावजूद फिजा में बदलाव था, गोर्बाचोव के 'ग्लासनोस्त' और 'पिरिसत्रोइका' के कारण लोग कहीं न कहीं वर्तमान व्यवस्था के प्रति अपनी नाराज़गी व्यक्त करने और स्वतंत्रता के लिए आवाज़ उठाने लगे थे। इसका एक बड़ा प्रमाण यूक्रेन के लोग जनवरी 1990 में दे भी चुके थे। हालांकि गोर्बाचोव द्वारा मार्च 1991 में सभी राज्यों में करवाए गए जनमत संग्रह में 70 प्रतिशत से अधिक यूक्रेनियन लोगों ने सोवियत संघ के साथ बने रहने की इच्छा व्यक्त की थी। फिर भी नाराज़गी साफ थी। 'भ्रष्टाचार', 'रूसी प्रभुत्व', 'गिरती अर्थव्यवस्था', 'आवश्यक वस्तुओं की कमी', 'लंबी लाइनें', 'चेरनोबिल दुर्घटना और इसके प्रबंधन में केंद्र की गैर-संजीदगी' और सबसे महत्वपूर्ण 'रूसी भाषा को प्राथमिकता और लोगों की मातृभाषा को दोयम दर्जा' जैसे अनेकों कारण थे। तीनों बाल्टिक राज्य (एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया) 1990 के मध्य तक स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर चुके थे। हमारी ज़िंदगी बहुत मज़े से गुज़र रही थी क्योंकि उपरोक्त सभी कुछ बड़े शहरों तक सीमित था। सब कुछ सस्ता था। इसलिए हम पढ़ाई के साथ-साथ घूमने, दोस्तों से मिलने, दूसरे हॉस्टल या दूसरे शहरों में चले जाते थे। यहां आने के बाद मैंने ऐलेना से 2-3 बार बात भी की थी। उसने कभी मिलने की इच्छा भी जताई थी। अगस्त 1991 की छुट्टियां थीं। हमारे एक मित्र और वरिष्ठ संत लाल जी विनित्सा मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे थे। बातों-बातों में मैंने संत लाल जी से ऐलेना के बारे में बात की। संत लाल जी ने कहा कि उनका एक मित्र वोल्गोग्राद में पढ़ता है। हम तीनों ने वहां जाने की योजना बनाई। संत लाल जी ने अपने मित्र से बात भी कर ली। मैंने ऐलेना को फोन कर अपने आने के बारे में बताया। अगले दिन गाड़ी थी। यात्रा लंबी थी, शायद 20-22 घंटे की। लेकिन अगली सुबह पता चला कि गोर्बाचोव को उसके परिवार के साथ क्रीमिया वाले 'दाचे' में नज़रबंद कर दिया गया है। उपराष्ट्रपति व कुछ कट्टरपंथी कम्युनिस्टों ने आपातकाल की घोषणा कर उपराष्ट्रपति की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय समिति का गठन कर दिया, जिसने गोर्बाचोव को 'अक्षम' करार दे कर 'सब कुछ अच्छा करने के लिए' सत्ता अपने हाथों में ले ली। येल्तसिन के नेतृत्व में, आम लोगों के भारी समर्थन से, यह 'तख्तापलट' तीन दिनों में विफल हो गया। येल्तसिन ने सारा नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया। 'पार्टी' की सभी गतिविधियों पर रोक लगा दी। दिसंबर, 1991 में यूक्रेन में एक और जनमत संग्रह हुआ, और 90 प्रतिशत से अधिक आबादी ने स्वतंत्र होने की इच्छा ज़ाहिर की। दिसंबर में सोवियत संघ भंग हो गया और सभी 15 राज्य अलग-अलग देश बन गए। इस उथल-पुथल में वोल्गोग्राद और ऐलेना तो भूल ही गए। अत्यंत महंगाई शुरू हो गई। यूक्रेन की अपनी मुद्रा, 'कूपोन' का इतना अवमूल्यन हो गया कि सटाईपेंड 'मिलियनों' में मिलने लगा। 20 कोपेक में उपलब्ध होने वाली ब्रेड पहले कुछ हजार कूपोन में और बाद में 50,000 कूपोन तक की मिलने लग गई। असली मुसीबत तब आई जब हमें कहा गया कि या तो अपने देश वापस चले जाओ या फिर पढ़ाई के लिए फीस का भुगतान करो। बहुत बड़ा तनाव पैदा हो गया। बहुत हाथ-पैर मारे, डीन-रेक्टर से मिन्नतें कीं, लेकिन कोई हल नहीं निकला। फिर मास्को में भारतीय दूतावास और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के मंत्रालय को हर दूसरे-तीसरे दिन फोन करने शुरू कर दिये। वह हौसला देते, 'चिंता मत करो, कोई समाधान निकलेगा।' ट्रंक कॉल बुक कर के भापा जी (पिता जी) से बात भी की। भापा जी ने हौसला दिया कि चिंता मत करना, तेरी पढ़ाई बाधित नहीं होने देंगे, भले ही घर क्यों न बेचना पड़े। मेरी आंखों में आंसू आ गए। खैर! कुछ ही दिनों में पता लगा कि रूस हमारा सारा खर्च वहन करेगा। एक संरक्षक की तरह, उसने हमारे सिरों पर हाथ रखा, जो पढ़ाई के अंत तक रहा, जब तक कि मैं मास्को से मिलीं ट्रेन और हवाई जहाज की टिकटों की बदौलत अपनी पढ़ाई पूरी करके 1995 में भारत वापस नहीं आ गया।

सू-दोकू नवताल -2100

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

सू-दोकू -2099 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2100

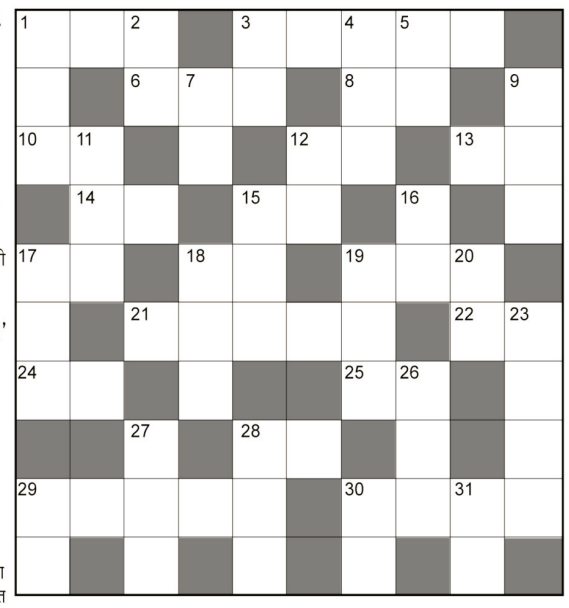

बायें से दायें:-

1. डिनो मारिया, इरफान खान, बिपाशा बसु, प्रीति झंगियानी की फिल्म-3
3. 'रंगीला रे, तेरे रंग में, रंगा है मेरा मन' गीत वाली फिल्म-2,3
6. फिल्म 'घर का चिराग' में नायिका-3
8. 'तौबा तौबा इश्क ना करियो' गीत वाली फिल्म-2
10. 'चिट्ठी आई है वतन से' गीत वाली संजयदत्त, पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
12. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-2
13. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली आमिर खान फिल्म-2
14. 'रुकी रुकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
15. 'सुबह सुबह जब खिड़की खोले' गीत वाली बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-2
17. मिथुन चक्रवर्ती की 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
18. 'आके भर लो बाजुओं में' गीत वाली सलमान खान, स्नेहा उल्लाल की फिल्म-2
19. दिलीपकुमार, की 'वतन की राह में वतन के नौजवां' गीतवाली फिल्म-3
21. 'आई है तेरे आने की चिट्ठी' गीत वाली राकेश रोशन, राज बब्बर, अमोल पालेकर, रेखा की फिल्म-5
22. देव आनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-2
24. 'नशा है आज देख ले' गीत वाली सनी देओल, विवेक ओबेराय, समीरा रेड्डी की फिल्म-2
25. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका-2
28. जीतेंद्र, रीनाराय, रामेश्वरी की फिल्म-2
29. सुनीलदत्त, नूतन की 'मेरा गधा गधों का लीडर' गीत वाली फिल्म-5
30. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा पंडित की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

16. फिल्म 'हम हैं राही प्यार के' में नायिका-2
17. 'न तू जमीं के लिए' गीत वाली दिलीप कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
19. कुमार गौरव, पद्मिनी कोल्हापुरे की 'मुलाकातों का मौसम आ गया' गीत वाली फिल्म-3
19. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीतवाली फिल्म-3
20. संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, एशा देओल, शिल्पा की 'दीदार दे दीदार दे' गीत वाली फिल्म-2
23. 'हमको मालूम है इश्क मासूम है' गीत वाली सलमान की फिल्म-4
26. नवीन निश्चल, आशा पारेख की 'जीवन भर ढूंढा जिसको' गीत वाली फिल्म-3
27. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-3
29. राजेश खन्ना, शर्मिला, अमिताभ की फिल्म-3
29. राहुल राय, करिश्मा कपूर की फिल्म-2
30. 'ऐसा जादू डाला रे' गीत वाली फिल्म-2
31. 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2099

फै	मि	ली		ची	ता		दो	बा	रा
	ला	ला	रु	ख		म	स्ती		जा
पा	प		दा		आ	न		बा	जी
ग		शा	ली	मा	र		गु	रु	
ल	गा	न			जू	ली		द	स
प		दा	स्ता	न		ड	र		त्य
न	ज	र		म	र्ड	र		रा	का
	ह		खा	की			अं	जा	म
नू	री			न	सी	ब		जा	
	ले	कि	न		मा		म	नी	ष

1. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'मैं तो हर मोड़ पर दूंगा' गीत वाली फिल्म-3
2. फिल्म 'चोरी चोरी' की नायिका कौन थी-2
3. संजय कपूर, तब्बू की 'ओ मेरी चूड़ियां बजी' गीत वाली फिल्म-2
4. 'तू मैके मत जइयो' गीतवाली फिल्म-3
5. देव आनंद, गीता बाली की 'चाँदनी रातें प्यार की बातें' गीत वाली फिल्म-2
7. 'मैं ऐसा क्यों हूं' गीत वाली अमिताभ बच्चन, रितिक रोशन, प्रीति जिंटा की फिल्म-2
9. गोविंदा, करिश्मा की 'मेरी पैंट भी सैक्सी ' गीत वाली फिल्म-3
11. 'रहते थे जिनके दिल में' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
12. 'अपुन बोला तू मेरी लैला' गीत वाली फिल्म-2
15. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-3

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ONGC ने मुंबई हाई से तेल, गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए दो परियोनाएं शुरू कीं

नई दिल्ली:

सार्वजनिक क्षेत्र के तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने तेल क्षेत्र 'मुंबई हाई फील्ड्स' से अतिरिक्त 75 लाख टन तेल उत्पादन और एक अरब घन मीटर (बीसीएम) गैस उत्पादन के लिए 6,000 करोड़ रुपए की लागत से दो परियोजनाएं शुरू की हैं। ओएनजीसी ने एक बयान में कहा कि मुंबई हाई साउथ रिडेवलपमेंट फेज-4 के हिस्से के रूप में 3,740 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक '8- लेग्ड वॉटर इंजेक्शन कम लिविंग क्वार्टर' मंच बनाया गया है जबकि 2,292.46 करोड़ रुपए की लागत से मुंबई हाई में 'क्लस्टर-8 मार्जिनल फील्ड डेवलपमेंट' परियोजना पूरी की गई। इस बयान के मुताबिक, 'इन दोनों परियोजनाओं से 75 लाख टन तेल और एक अरब घन मीटर गैस का अतिरिक्त उत्पादन होगा।' पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को पश्चिमी तट पर स्थित इन परियोजनाओं को देश को समर्पित किया। बयान के मुताबिक, इन दोनों परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए पुरी ने ओएनजीसी दल की सराहना की है।

एनपीएस और एपीवाई की संख्या पांच साल में 236 प्रतिशत बढ़ी

- पांच साल पहले एनपीएस और एपीवाई से जुड़ने वालों की संख्या 1।2 प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 3।7 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली ।

लोगों का रुझान भविष्य की सुरक्षा के प्रति बढ़ता जा रहा है। विशेषकर कोरोना महामारी के बाद से लोग पेंशन योजना को लेकर सचेत नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि एनपीएस और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) से जुड़ने वालों की संख्या में पिछले पांच साल में 236 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वर्ष 2017 से लेकर वर्ष 2022 मार्च तक एनपीएस योजना से जुड़ने वालों की संख्या में 88।1 प्रतिशत तो एपीवाई से जुड़ने वालों की संख्या में 335 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पीएफआरडीए का मानना है कि आने वाले समय में पेंशन फंड से लोग तेजी से जुड़ेंगे क्योंकि इतना अधिक रिटर्न किसी और फंड से नहीं मिलता है। पिछले पांच साल में एनपीएस स्कीम ने 9।0-12।7 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। पांच साल पहले एनपीएस और एपीवाई से जुड़ने वालों की संख्या कुल आबादी का मात्र 1।2 प्रतिशत था जो अब 3।7 प्रतिशत हो गया है। पीएफआरडीए की रिपोर्ट के मुताबिक एपीवाई से इसलिए भी लोग तेजी से जुड़े हैं क्योंकि यह सिर्फ पेंशन स्कीम नहीं है बल्कि बचत का महत्वपूर्ण तरीका है। यह पूरी तरह से जोखिम से मुक्त है क्योंकि सरकार इसकी गारंटी लेती है और पीएफआरडीए इसका नियामक है। तभी मार्च, 2017 में अटल पेंशन योजना से जुड़ने वालों की संख्या सिर्फ 92।9 लाख थी जो इस साल मार्च अंत तक 4।04 करोड़ हो गई। पीएफआरडीए के मुताबिक अटल पेंशन योजना से जुड़ना और निकलना दोनों आसान है। 18-40 साल वालों से जुडी अटल पेंशन योजना से जुड़ने वालों को 60 साल के बाद 1000-5000 रुपए की पेंशन मिलती है और अगर पेंशन लेने वाले की मृत्यु हो जाती है तो उसकी पत्नी को ताउम्र वह पेंशन मिलती है। अगर अटल पेंशन योजना से जुड़ने वाले व्यक्ति की मौत 60 साल से पहले हो जाती है तो जमा की गई पूरी राशि लौटा दी जाती है जिस पर 9।4 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलता है। पेंशन योजना से जुड़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ने से पेंशन संपदा भी बढ़ती जा रही है। वर्ष 2017 में एनपीएस व अटल पेंशन योजना के तहत 1,75,000 करोड़ रुपए की संपदा थी जो इस साल मार्च में बढ़कर 7,37,000 करोड़ हो गई। इसमें एनपीएस की हिस्सेदारी 96 प्रतिशत है। जानकारों के मुताबिक एनपीएस स्कीम से निजी सेक्टर के कर्मचारी भी तेजी से जुड़ रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों के लिए एनपीएस से जुड़ना अनिवार्य है, लेकिन कारपोरेट सेक्टर के कर्मचारी भी भविष्य की सुरक्षा को देखते हुए एनपीएस स्कीम से जुड़ रहे हैं। मात्र 500 रुपए के योगदान से एनपीएस स्कीम से जुड़ा जा सकता है।

औरंगाबाद और पुणे के बीच 10,000 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा एक्सप्रेसवे: गडकरी

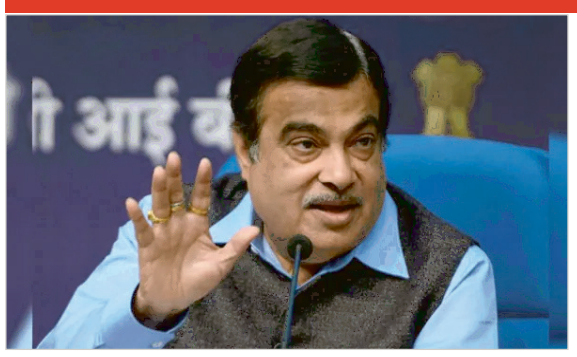

औरंगाबाद: (एजेंसी)

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के औरंगाबाद और पुणे के बीच यात्रा में लगने वाले समय को कम करने के लिए इन दोनों शहरों के बीच 10,000 करोड़ रुपए की लागत से एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जाएगा। गडकरी ने यहां राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-52 पर 3,216 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई 86 किलोमीटर लंबी सड़कें देश को समर्पित करने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में इसकी घोषणा की। इस दौरान उन्होंने 2,253 करोड़ रुपए की लागत वाली चार अन्य सड़क परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इस अवसर पर गडकरी ने कहा, ''औरंगाबाद और पुणे के बीच की दूरी करीब 225 किलोमीटर है। हम इन दोनों शहरों के बीच 'पहुंच-नियंत्रित एक्सप्रेसवे' बनाएंगे जिस पर कोई मोड़ नहीं होगा और वाहन 140 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल सकेंगे। इससे दोनों शहरों के बीच यात्रा में लगने वाला समय घटकर सवा घंटा रह जाएगा।'' फिलहाल औरंगाबाद और पुणे के बीच का सफर तय करने में चार से पांच घंटे लगते हैं।

बीते वित्त वर्ष में हरित कोषों से 315 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । भारत में निवेशकों के बीच हरित या ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) कोषों में निवेश की धारणा कमजोर होने की वजह से बीते वित्त वर्ष 2021-22 में इन कोषों से 315 करोड़ रुपए की निकासी देखने को मिली। इससे पहले वित्त वर्ष 2020-21 में इन कोषों में 4,884 करोड़ रुपए का निवेश आया था। जानकारी के मुतो बिक 2020-21 से पहले सतत या हरित कोषों में 2,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हुआ था। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे चलकर ईएसजी कोष भारत में संपत्ति प्रबंधकों की कुल निवेश रूपरेखा का अभिन्न अंग होंगे। हरित कोषों में ज्यादातर निवेश नई कोष पेशकश (एनएफओ) के जरिये आया है। 2020-21 में इन कोषों में उल्लेखनीय प्रवाह देखने को मिला था। इसकी वजह है कि उस साल कई ईएसजी कोष शुरू हुए थे। रिलेटिविटी इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स के एक भागीदार ने कहा` कि वृहद और सूक्ष्म दोनों कारणों की वजह से बाजार में अभी उतार-चढ़ाव है। परिभाषा के लिहाज से हरित कोषों की प्रकृति दीर्घावधि की होनी चाहिए। इन कोषों को दीर्घावधि के प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को समझना होगा और कोविड बाद की परिस्थिति में अधिक मजबूती दिखानी होगी।

ओला ने आग लगने की घटनाओं के चलते 1441 इलेक्ट्रिक स्कूटर किए रीकॉल

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दोपहिया ई-वाहनों के बाजार में उतरी मशहूर कंपनी ओला ने बड़ा का फैसला किया है। हाल में इलेक्ट्रिक दोपहिया में आग लगने की घटना के मद्देनजर कंपनी ने यह कदम उठाया है। कंपनी ने बयान में कहा कि वह पुणे में 26 मार्च को इलेक्ट्रिक दोपहिया में आग लगने की घटना की जांच कर रही है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि यह इस तरह का एकमात्र मामला है। हालांकि, कंपनी ने कहा कि सुरक्षा उपाय के तहत वह इस खेप के 1,441 इलेक्ट्रिक वाहनों को बाजार से वापस ले रही है और वह इन स्कूटरों की जांच करेगी। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा, 'इन स्कूटरों की हमारे इंजीनियर पूरी तरह जांच करेंगे। वे बैटरी प्रणाली, थर्मल प्रणाली से लेकर सुरक्षा प्रणाली सभी की जांच करेंगे।' कंपनी ने दावा किया कि उसकी बैटरी प्रणाली पहले से अनुपालन वाली है और इसका एआईएस 156 के लिए परीक्षण हो चुका है। यह भारत के लिए प्रस्तावित नया मानक है। इसके अलावा यह बैटरी यूरोपीय मानक ईसीई 136 को भी पूरा करती है। हाल के दिनों में देश में कई स्थानों पर इलेक्ट्रिक दोपहिया में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। इसके चलते इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनियां अपने वाहनों को बाजार से वापस मंगा रही हैं। ओकिनावा ऑटोटेक ने 3,000 से अधिक इकाइयों को बाजार से वापस लिया है। प्योर ईवी ने भी बाजार से 2,000 इकाइयां वापस ली हैं।

बिजली संकट के लिए घरेलू कोयले की अनुपलब्धता नहीं, उत्पादन में तेज गिरावट जिम्मेदार: कोयला सचिव

नई दिल्ली: (एजेंसी)

कोयला सचिव ए के जैन ने मौजूदा बिजली संकट के लिए कोयले की कमी को जिम्मेदार मानने से इनकार करते हुए रविवार को कहा कि इस संकट की मुख्य वजह विभिन्न ईंधन स्रोतों से होने वाले बिजली उत्पादन में आई तीव्र गिरावट है। महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में कोयले की कमी के कारण बिजली कटौती की स्थिति पैदा होने की खबरों के बीच कोयला सचिव ने अपना बचाव करने की कोशिश की। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि ताप-विद्युत संयंत्रों के पास कोयले का कम स्टॉक होने के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। जैन ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में तेजी आने के कारण बिजली की मांग बढ़ना, इस साल जल्दी गर्मी शुरू हो जाना, गैस एवं आयातित कोयलों की कीमतों में वृद्धि होना और तटीय ताप विद्युत संयंत्रों के बिजली उत्पादन का तेजी से गिरना जैसे कारक इसके लिए जिम्मेदार रहे हैं। जैन ने कहा,''यह कोयले का संकट न होकर बिजली की मांग एवं आपूर्ति का बेमेल होना है।'' उन्होंने कहा कि देश में गैस-आधारित बिजली उत्पादन में भारी गिरावट आने से यह संकट और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि देश में कुल बिजली आपूर्ति बढ़ाने के लिए पहले से ही कई उपाय किए जा रहे हैं। जैन ने कहा, ''भारत में कुछ ताप-विद्युत संयंत्र समुद्री तट के किनारे बनाए गए थे ताकि आयातित कोयले का इस्तेमाल कर सकें। लेकिन आयातित कोयले की कीमत बढ़ने से उन संयंत्रों ने कोयला आयात कम कर दिया है।'' ऐसी स्थिति में तटीय ताप-विद्युत संयंत्र अब अपनी क्षमता का लगभग आधा उत्पादन ही कर रहे हैं। कोयला सचिव ने कहा कि दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में स्थित राज्य आयातित कोयले पर निर्भर हैं। जब इन राज्यों में स्थित घरेलू कोयला आधारित संयंत्रों को रेलवे वैगन एवं रेक के जरिये कोयला भेजा जाता है तो रेक को फेरा लगाने में 10 दिन से अधिक समय लगता है। इसकी वजह से अन्य राज्यों में स्थित संयंत्रों तक कोयला आपूर्ति बाधित होती है। हालांकि रेलवे ने पिछले साल से बिजली क्षेत्र की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए अन्य क्षेत्रों में रेक आपूर्ति को कम करके, पहले से कहीं अधिक कोयले की ढुलाई की है। मार्च के महीने में रेकों की अच्छी लदान हुई थी। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अप्रैल के पहले पखवाड़े में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 25 फीसदी अधिक कोयला उत्पादन किया है। उत्पादन बढ़ने के साथ कोयले की आपूर्ति भी 25 फीसदी बढ़ गई है। कोल इंडिया की घरेलू कोयला उत्पादन में 80 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है। कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भी शनिवार को कहा था कि वर्तमान में 7.250 करोड़ टन कोयला सीआईएल, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) और कोल वाशरीज़ के विभिन्न स्रोतों में उपलब्ध है। इसके साथ ही उन्होंने ताप विद्युत संयंत्रों के पास 2.201 करोड़ टन कोयला उपलब्ध होने का भी दावा किया।

भारत में महंगी लग्जरी कारों की मांग में उछाल, आपूर्ति संकट से इंतजार अवधि बढ़ी

नई दिल्ली: (एजेंसी)

भारत में मर्सिडीज बेंज, ऑडी और बीएमडब्ल्यू जैसी लग्जरी कार कंपनियों के महंगे मॉडलों की मांग बढ़ रही है। इसके चलते आपूर्ति दिक्कतों की वजह से ऐसे मॉडलों के लिए 'इंतजार की अवधि' (वेटिंग पीरियड) बढ़ गई है। इन कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, ''पिछले कुछ माह या मैं कहूंगा कि पिछले साल से सी और डी खंड यानी 70 से 75 लाख रुपए की गाड़ियों की मांग बढ़ी है। इसमें वृद्धि मात्रा वाले खंड से अधिक रही है।'' उन्होंने कहा कि जो लोग ऐसी कारें खरीदने में सक्षम हैं मसलन उद्योगपति, खिलाड़ी और बॉलीवुड की हस्तियां, वे आगे आ रहे हैं और लग्जरी उत्पाद खरीद रहे हैं। ऑडी इलेक्ट्रिक ई-ट्रॉन का उदाहरण देते हुए ढिल्लों ने कहा कि हम इस कार को एक करोड़ रुपए से अधिक दाम में बेच रहे हैं। ''भारत आने से पहले ही ये कारें पूरी तरह बिक जाती हैं।'' उन्होंने कहा कि इन कारों की इंतजार की अवधि आपूर्ति अड़चनों की वजह से बढ़ी है। पहले इनके लिए इंतजार की अवधि एक से दो माह होती थी, जो अब बढ़कर चार से छह महीने हो गई है। इसी तरह की राय जताते हुए मर्सिडीज बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्टिन श्वेंक ने कहा, ''दुर्भाग्य की बात है कि कुछ कारों को हम ग्राहकों को महीनों बाद आपूर्ति कर पाते हैं। विशेषरूप से जीएलएस और जीएलई (एसयूवी) इसमें आती हैं। इन कारों के साथ सिर्फ आपूर्ति पक्ष की दिक्कत ही नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर इनकी मांग भी काफी ऊंची है। ऐसे में हमें प्राथमिकता तय करनी पड़ती है।'' वर्ष 2022 की पहली तिमाही में कंपनी के पास 4,000 से अधिक इकाइयों का ऑर्डर था। मर्सिडीज बेंज इंडिया ने 2021 में भारत में एक करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 2,000 से अधिक इकाइयों की बिक्री की। इनमें एस-क्लास मेबैक, जीएलएस मेबैक और टॉप-एंड एएमजी शामिल हैं। कंपनी की कुल सालाना बिक्री में 30 प्रतिशत हिस्सा एस-क्लास और जीएलएस एसयूवी का है। एक अन्य लग्जरी वाहन कंपनी बीएमडब्ल्यू को भी कुछ इसी तरह रुझान देखने को मिल रहा है। इसके महंगे मॉडलों की मांग बढ़ी है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पावाह ने कहा, ''एसएवी (स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल) खंड में हमारी स्थिति काफी मजबूत है। इसके एक्स3, एक्स4 और एक्स7 मॉडलों की मांग काफी ऊंची है। इस खंड में हमारी वृद्धि 40 प्रतिशत है। हमारी कुल पोर्टफोलियो में इनका हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक है।'' बीएमडब्ल्यू इंडिया के एसएवी खंड के वाहनों का दाम 61 लाख रुपए से अधिक है। इस खंड की बिक्री पहली तिमाही में 1,345 इकाई रही है, जो करीब 40 प्रतिशत की वृद्धि है।

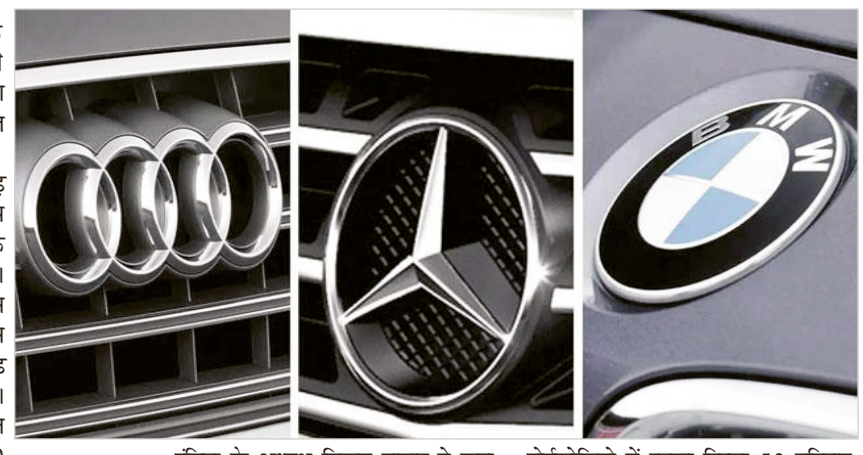

यूनिकॉर्न क्लब में चीन को पीछे छोड़ते हुए दूसरे पायदान पर पहुंचा भारत, अमेरिका पहले स्थान पर

(एजेंसी):

भारत ने एक और मोर्चे पर उभरते हुए एक नया मुकाम हासिल कर लिया है। भारत अब उभरते यूनिकॉर्न (Unicorn) वाले देशों में दूसरे नंबर पर आ गया है। भारत ने इस लिस्ट में चीन को पछाड़ दिया है और अब इसमें केवल अमेरिका (US) ही भारत से ऊपर, पहले स्थान पर है। शनिवार को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने ट्विटर पर यह जानकारी साझा की। गोयल ने ट्वीट कर कहा, 'सबसे उभरते हुए यूनिकॉर्न वाले देशों में भारत अब दुनिया का नंबर 2 है, चीन से आगे है।' उन्होंने आगे लिखा, 'हमारा मजबूत और अभिनव इको सिस्टम भारतीय स्टार्टअप को यूनिकॉर्न क्लब में उभरने में सक्षम बना रहा है।' केंद्रीय मंत्री ने अपने ट्वीट में तस्वीर भी पोस्ट की है। इसमें बताया गया है कि भारत में 32 उभरते हुए यूनिकॉर्न कंपनियां बनी हैं, जबकि चीन में 27 यूनिकॉर्न कंपनियां बनी हैं। पीयूष गोयल ने कहा, इससे पहले साल 2021 में भी भारत ने चीन को यूनिकॉर्न के मामले में पीछे छोड़ दिया था। साल 2021 में भारत में जहां 33 यूनिकॉर्न बनी थीं, तो चीन में उसके मुकाबले यूनिकॉर्न की संख्या केवल 19 रही थी।

क्या होते हैं यूनिकॉर्न स्टार्टअप?

यूनिकॉर्न एक ऐसी स्टार्टअप कंपनी को कहते हैं, जिसकी वैल्यू एक अरब डॉलर (1 billion Dollar) से ज्यादा की हो जाती है। आसान शब्दों में कहा जाए, तो जब एक प्राइवेट स्टार्टअप कंपनी की वैल्यू एक बिलियन डॉलर की हो जाती है या फिर उससे भी ज्यादा तो उसे यूनिकॉर्न कहा जाता है।

भारत का तेल आयात पर खर्च दोगुना हुआ, 2021-22 में 119 अरब डॉलर का तेल खरीदा

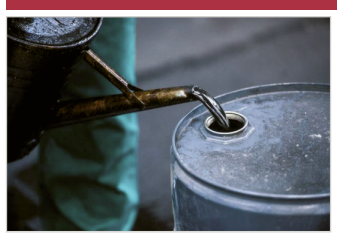

नई दिल्ली: (एजेंसी)

मार्च में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का कच्चे तेल के आयात पर खर्च लगभग दोगुना होकर 119 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसकी वजह मांग में वृद्धि और यूक्रेन में युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी है। भारत तेल की खपत और आयात करने के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। तेल मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच भारत ने तेल के आयात पर 119.2 अरब डॉलर खर्च किए। इससे पिछले वर्ष की समान अवधि में उसका तेल आयात बिल 62.2 अरब डॉलर रहा था। मार्च माह में जब तेल की कीमतें 14 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, तब अकेले इस महीने में ही भारत ने तेल आयात पर 13.7 अरब डॉलर खर्च किए, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह खर्च 8.4 अरब डॉलर था। वैश्विक स्तर पर तेल के दाम जनवरी से बढ़ने शुरू हुए थे और फरवरी में ये 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गए। मार्च महीने की शुरुआत में तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। हालांकि उसके बाद कीमतों में गिरावट आने लगी और अब यह करीब 106 डॉलर प्रति बैरल पर है। पीपीएसी के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 21.221 करोड़ टन कच्चे तेल का आयात किया, जबकि इससे पिछले वर्ष 19.65 करोड़ टन तेल आयात किया था। हालांकि यह महामारी से पहले के वर्ष 2019-20 के मुकाबले कम है जब 22.7 करोड़ टन तेल आयात किया गया था। तब तेल आयात पर 101.4 अरब डॉलर खर्च हुए थे। अपनी कच्चे तेल की 85.5 फीसदी जरूरतों के लिए भारत आयात पर निर्भर करता है। पीपीएसी के मुताबिक 2019-20 में भारत की तेल आयात पर निर्भरता 85 फीसदी थी जो इसके बाद के वर्ष में कुछ गिरकर 84.4 फीसदी हो गई लेकिन 2021-22 में यह एक बार फिर बढ़कर 85.5 फीसदी पर पहुंच गई।

FPI ने अप्रैल में अब तक शेयर बाजारों से 12,286 करोड़ रुपए निकाले

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक तरीके से बढ़ोतरी की आशंका के बीच विदेशी निवेशकों ने इस महीने अबतक भारतीय बाजारों से 12,300 करोड़ रुपए निकाले हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना, रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, घरेलू मोर्चे पर ऊंची मुद्रास्फीति की वजह से भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का निवेश प्रवाह दबाव में रहेगा। एफपीआई ने मार्च, 2022 तक भारतीय शेयर बाजारों में लगातार छह महीने तक बिकवाली की थी। इस दौरान उन्होंने भारतीय शेयर बाजारों से 1.48 लाख करोड़ रुपए निकाले थे। इसकी मुख्य वजह फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की आशंका और रूस के यूक्रेन पर हमले की वजह से पैदा हुए हालात थे। लगाताह छह माह तक बिकवाली के बाद एफपीआई ने अप्रैल के पहले सप्ताह में शेयरों में 7,707 करोड़ रुपए डाले थे। इसके बाद 11 से 13 अप्रैल के कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह के दौरान उन्होंने शेयरों से 4,500 करोड़ रुपए की निकासी की। उसके बाद के सप्ताह में भी एफपीआई की बिकवाली जारी रही। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एक से 22 अप्रैल के दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से शुद्ध रूप से 12,286 करोड़ रुपए की निकासी की है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बांड बाजार से भी 1,282 करोड़ रुपए की निकासी की है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका से निवेशकों की धारणा को प्रभावित हो रही है। ऐसे में निवेशक उभरते बाजारों में अपने निवेश को लेकर एक बार फिर सतर्क रुख अपना रहे हैं। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, ऊंची मुद्रास्फीति, सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में कमी जैसे कारणों से निकट भविष्य में एफपीआई के प्रवाह में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

भारत के अलावा एफपीआई ने अप्रैल में अन्य उभरते बाजारों मसलन ताइवान, दक्षिण कोरिया और फिलिपीन से भी निकासी की है।

कामधेनु ने अगले वित्त वर्ष तक 22,000 करोड़ रुपये के ब्रांड बिक्री का लक्ष्य किया निर्धारित

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र की प्रसिद्ध इस्पात क्षेत्र की कंपनी कामधेनु समूह ने वित्त वर्ष 2023-24 तक अपने इस्पात कारोबार से 22,000 करोड़ रुपये के ब्रांड बिक्री कारोबार का लक्ष्य रखा है। कामधेनु समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) सतीश अग्रवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'हमारे उत्पादों की मांग को देखते हुए हम अगले वित्त वर्ष तक इस्पात खंड में कुल ब्रांड बिक्री कारोबार 22,000 करोड़ रुपये पहुंचने की उम्मीद करते हैं।卐 टीएमटी सरिया बनाने वाली कंपनी कामधेनु इस्पात खंड में फ्रेंचाइजी मॉडल पर काम करती है। अग्रवाल ने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 में कंपनी का कुल ब्रांड बिक्री कारोबार 12,000 करोड़ रुपये था। अब वित्त वर्ष 2023-24 तक समूह का लक्ष्य 22,000 करोड़ रुपये का बिक्री कारोबार हासिल करना है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे में सरकारी खर्च, सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, जन परिवहन, जलमार्ग और रसद बुनियादी ढांचे के विकास पर भी समूह का ध्यान है। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना से इस्पात की मांग में बढ़ोतरी होगी। इस्पात के अलावा पेंट क्षेत्र में भी सक्रिय कामधेनु समूह के प्रमुख ने कहा कि वर्तमान में भारत में पेंट उद्योग 18-20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। समूह ने वर्ष 2025-26 तक पेंट कारोबार को बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये तक ले जाने की योजना बनाई है। फ्रेंचाइजी मॉडल के तहत कंपनी के ओडिशा, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, बिहार, गोवा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल, झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में टीएमटी विनिर्माण संयंत्र हैं।

Sports

महिला चैलेंजर का आयोजन लखनऊ में होगा : गांगुली

मुंबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि महिला चैलेंजर कप का आयोजन लखनऊ में होगा। बोर्ड की शीर्ष परिषद की बैठक के बाद गांगुली ने कहा कि तीन टीमों की महिला चैलेंजर का आयोजन 24 से 28 मई तक लखनऊ में खेला जाएगा। वहीं प्ले-ऑफ और एलिमिनेटर मैच 24 और 26 मई में कोलकाता में खेले जाएंगे, जबकि दूसरा प्लेऑफ और फाइनल 27 और 29 मई को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इन मैचों में स्टेडियम में दर्शकों की पूरी मौजूदगी रहेगी। बीसीसीआई अध्यक्ष गांगुली ने कहा कि महिला चैलेंजर सीरीज 24 से 28 मई के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेली जाएगी। वहीं जहां तक पुरुषों के आईपीएल नॉकआउट चरण के मैचों का सवाल है। यह कोलकाता और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। इसमें 22 मई को लीग चरण के समापन के बाद खेले जाने वाले मैचों के लिए दर्शकों की सौ फीसदी उपस्थिति जरुरी रहेगी।

आईपीएल में आज सीएसके और पंजाब किंग्स जीत के इरादे से उतरेंगी

मुंबई ।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स पर जीत के इरादे से उतरेगी। पिछले मैच में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के करिश्मे से टीम को अंतिम ओवर में जीत मिली थी। सीएसके को उम्मीद रहेगी कि धोनी उसी प्रकार का प्रदर्शन फिर करें। सीएसके को अगर इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो उसे सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। सीएसके की टीम के लिए प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने के लिए इस मैच में जीत जरुरी है। सीएसके ने अबतक दो मैच ही जीते हैं जबकि पंजाब ने तीन , इस प्रकार अंकतालिका पर नजर डालें तो पंजाब की टीम आठवें स्थान पर है जबकि सीएसके नौवें स्थान पर है। सीएसके का दावा इस मैच में कमजोर नजर आता है क्योंकि कप्तान रविन्द्र जडेजा सहित उसे प्रमुख बल्लेबाज अबतक नाकाम रहे हैं। गेंदबाजी के अलावा उसके गेंदबाज भी प्रभाव नहीं छोड़ पाये हैं।पिछले मैच में मुंबई इंडियंस पर तीन विकेट से मिली शानदार जीत उसे धोनी के बल पर ही मिली थी। सीएसके टीम के लिए राहत की बात यह है कि मुंबई के खिलाफ मुकाबले में उसके गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी ने तीन विकेट लिए। वहीं ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने भी अपनी लय हासिल की। टीम को हालांकि दीपक चाहर और एडम मिल्ने की कमी महसूस हो रही है। श्रीलंकाई स्पिनर महीश तीक्षणा ने भी अब तक अच्छी गेंदबाजी की है। टीम के युवा सलामी बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ ने भी अब तक एक बार ही अर्धशतक लगाया है और अब उन्हें इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। ऑलराउंडर मोईन अली को टीम ने मोटी रकम में खरीदा था पर वह नाकाम रहे हैं। इसके अलावा शिवम दुबे को भी अधिक जिम्मेदारी से खेलना होगा। वहीं दूसरी ओर कप्तान मयंक अग्रवाल की पंजाब की टीम की राह भी आसान नहीं लगती। पिछले मैच में उसे दिल्ली कैपिटल्स के हाथों 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। मयंक को छोड़कर उसके अन्य बल्लेबाजों में निरंतरता की कमी देखी गयी है। अब तक शिखर धवन, लियाम लिविंगस्टान और शाहरूख खान अच्छी पारियां नहीं खेल पाए हैं जबकि जॉनी बेयरस्टॉ को चार मौके मिले और वह चारों में ही विफल रहे। गेंदबाजी में पंजाब के पास कैगिसो रबाडा और ओडियन स्मिथ जैसे खिलाड़ी है। अर्शदीप सिंह भी अच्छे फॉर्म में हैं। इसके अलावा युवा वैभव अरोड़ा को अपनी ओर से होगा।

49 साल के हुए सचिन, साथी खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने दी बधाईयां

मुम्बई ।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर रविवार 24 अप्रैल को 49 साल के हो गये। इस अवसर पर सचिन को साथी खिलाड़ियों के साथ ही प्रशंसकों ने भी सोशल मीडिया पर बधाई दी है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मध्य क्रम के बल्लेबाज एस बद्रीनाथ ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम से तमिल में उन्हें बधाई संदेश दिया है। वहीं स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने तेंदुलकर के साथ अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। 50 के क्लब में सचिन का स्वागत करते हुए पूर्व क्रिकेटर, अभिनेता और मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्य चयनकर्ता सलिल अंकोला ने सचिन के साथ एक तस्वीर साझा की और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। वहीं क्रिकेटर अरविंद यादव ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा, देश का गौरव और करोड़ों लोगों के सपनों को साकार करने की भावना!! सचिन ने 16 साल की उम्र में साल 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने नवंबर 2013 में खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

आस्ट्रेलिया में पहली बार खेली अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम

मेलबर्न : अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम ने पिछले साल तालिबान शासित देश छोडने के बाद पहला मैच खेला जो गोलरहित ड्रॉ रहा। मेलबर्न विक्टरी अफगान महिला टीम ने विक्टोरिया की सीनियर महिला चैम्पियनशिप में गोलरहित ड्रॉ खेला। पिछले साल अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद 30 खिलाडियों और कोचों को आस्ट्रेलियाई सरकार की मदद से देश से निकाला गया था। अब वे मेलबर्न में बसे हैं। टीम ने पहला अभ्यास सत्र फरवरी में पूरा किया और इस साल विक्टोरिया के बैनर तले खेलेगी। विक्टोरिया के पारंपरिक नेवी ब्लू और सफेद वी की बजाय टीम घरेलू मैचों में अफगानिस्तान की लाल शर्ट और बाहर के मैचों में सफेद शर्ट पहनेगी जबकि इसके पीछे के हिस्से पर अफगानिस्तान का ध्वज होगा। परिवार के सदस्यों के नाम उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखकर पीछे नहीं लिखे गए हैं क्योंकि उनके परिजन अफगानिस्तान में ही हैं। खिलाडियों ने अपना पहला नाम या उपनाम शर्ट के पीछे लिखा है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 क्रिकेट सीरीज का कार्यक्रम घोषित

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के बाद जून में इंडिया दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। इसका पहला मुकाबला 9 जून को नई दिल्ली में खेला जाएगा। सीरीज का अंतिम मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीरीज का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया गया है। यह 2022 में घरेलू धरती पर भारतीय टीम की तीसरी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज रहेगी। ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप कप 2022 को देखते हुए यह अहम मानी जा रही है।

इससे भारतीय टीम को अपनी तैयारियों का आंकलन करने के साथ ही अपनी बैंच स्ट्रेंथ की क्षमता देखने का भी अवसर मिलेगा। वहीं इस दौरे को लेकर क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के सीईओ फोलेत्सी मोसेकी ने कहा कि हम सत्र में इस अवसर का उपयोग करने के लिए तैयार हैं। इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप और अगले साल भारत में आईसीसी विश्व कप होने वाला है। ऐसे में यह हमारी टीम के लिए एक विशाल सफेद गेंद का दौरा है। उन्होंने कहा कि यह कहने की जरूरत नहीं है कि खेल का समय हमारी टीम के लिए अहम है क्योंकि वे अपने संयोजन को सही करना चाहते हैं। हम एक बेहतर सीरीज के लिए तैयार हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज का कार्यक्रम

- पहला टी20 : 9 जून, नई दिल्ली
- दूसरा टी20:12 जून, कटक
- तीसरा टी20: 14 जून, विजाग
- चौथा टी20:17 जून, राजकोट
- पांचवां टी20 : 19 जून, बेंगलुरु ।

संक्षिप्त समाचार

रवि ने जीता स्वर्ण, बजरंग और बालियान को रजत

उलानबटार । भारतीय पहलवानों ने मंगोलिया में आयोजित एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच पदक हासिल किये हैं। पहलवान रवि दहिया ने इसमें स्वर्ण पदक जीता है। दहिया ने 57 किलोग्राम भार वर्ग में यह पदक जीता है। वहीं भारत के ही बजरंग और गौरव बालियान को रजत पदक ही मिल पाया। पांचों फ्री स्टाइल भारतीय पहलवानों ने पदक हासिल किये। बजरंग पूनिया को 65 किलो भारवर्ग में रजत पदक मिला। बजरंग को फाइनल में ईरान के रहमान मूसा के हाथों 3-1 से हार के कारण रजत ही मिला। दहिया ने फाइनल में कजाखस्तान के रखत कलजान को तकरीनी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। भारतीय पहलवान ने मैच की शुरुआत से ही कजाखस्तान के खिलाड़ी को बढ़त मिली पर इसके बाद दहिया ने शानदार वापसी की और विपक्षी खिलाड़ी को पराजित किया। इस भारतीय पहलवान ने इससे पहले जापान के रिकुटो एरई को तकरीनी श्रेष्ठता के आधार पर और मंगोलिया के जानबजार जान्दनबुद को 12-5 से हराया था। फाइनल में कलजान के खिलाफ शुरूआत में रवि पीछे चल रहे थे पर इसके बाद उन्होंने लगातार छह दो प्वाइंटर हासिल किए। फिर रवि ने कलजान के बाएं पैर पर आक्रमण कर उन्हें अपना शिकंजा कसते हुए मुकाबला समाप्त कर दिया। यह भारत का इस साल कुश्ती चैंपियनशिप में पहला स्वर्ण है।

सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री ने की केएल राहुल की जमकर तारीफ

मुंबई ।

क्रिकेट के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री ने आईपीएल 2022 में सलामी बल्लेबाज के ठोस प्रदर्शन के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल की सराहना की है। केएल राहुल मौजूदा आईपीएल 2022 में रन बना रहे हैं और दाएं हाथ का विस्फोटक बल्लेबाज राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर के बाद ऑरेंज कैप स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है। भारत के पूर्व कप्तान और भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने दावा किया कि टीम का नेतृत्व करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी राहुल के सर्वश्रेष्ठ को बाहर लाना है और या तो वह या बटलर आईपीएल 2022 के अंत तक ऑरेंज कैप जीतेंगे। शास्त्री ने कहा कि उनके पास एक ठोस हरफनमौला खेल है, तकनीक अच्छी है उनके पास सभी शॉट्स, शानदार स्वभाव और दिमाग की अच्छी उपस्थिति है। एक नई फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी के साथ उनमें से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करना है। शास्त्री ने कहा कि आपने मुझसे सीज़न की शुरुआत में ऑरेंज कैप से पूछा, मैंने केएल राहुल कहा क्योंकि सलामी बल्लेबाजों के पास सबसे अच्छा मौका है। इसलिए यह मुकाबला उनके और (जोस) बटलर के बीच होगा। यदि आप एक सलामी बल्लेबाज हैं जो फायरिंग कर रहा है तो आपकी फ्रेंचाइजी आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने जा रही है क्योंकि वे पीछे के खिलाड़ी नहीं हैं जो आकर नुकसान करते हैं। अगर आपको एक सलामी बल्लेबाज मिलता है जो फायरिंग कर रहा है तो आधा काम पहले ही हो चुका है। भारत के पूर्व कप्तान और महान सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी राहुल की सराहना की। गावस्कर ने कहा कि जिस तरह से उन्होंने (मुंबई इंडियंस के खिलाफ) अपनी पारी को गति दी, यह देखना शानदार है।

उन्होंने अपनी गति को कैसे बढ़ाया, कैसे वह एक गियर से दूसरे गियर से तीसरे गियर में गए और अंत में (पारी के) वह थे। पांचवें गियर में शानदार था।

बांगड़ ने विराट का बचाव किया

मुंबई । रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कोच संजय बांगड़ ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण निशाने पर आये पूर्व कप्तान विराट कोहली का बचाव किया है। कोहली इस मैच में पहली ही गेंद पर आउट हो गये। इस सत्र में यह दूसरी बार है जब विराट पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। इस पर बांगड़ ने कहा कि 'कोहली वह सब कुछ कर रहे हैं जो कर सकते हैं' हालांकि एक खिलाड़ी के जीवन में एक ऐसा दौर आता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो सामने आएगा कि विराट ने आरसीबी की ओर से लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है। हर खिलाड़ी इस तरह के खराब दौर से गुजरता है। उन्होंने सत्र की शुरुआत अच्छी की थी पर उसे बाद वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाये। बांगड़ ने आगे कहा कि वह निश्चित रूप से वह सब कुछ कर रहा है जो उसके नियंत्रण में है। वह अपनी फिटनेस और कौशल पर ध्यान कर रहा है और अच्छे ब्रेक ले रहा है और दबाव को अपने ऊपर नहीं आने दे रहा है। वह नियमित अंतराल पर ब्रेक ले रहा है और आगे भी ऐसा करना जारी रखेगा। यह अलग बात है कि अभी उसे सपफलता नहीं मिल पा रही।

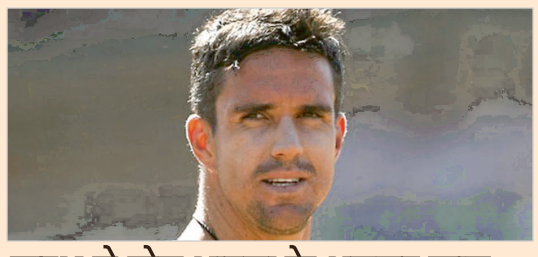

ऋषभ ने खेल भावना के अनुरुप काम नहीं किया : पीटरसन

मुंबई । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत को आड़े हाथों लिया है। पीटरसन के अनुसार ऋषभ ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में खेल भावना के अनुसार काम नहीं किया है। पीटरसन ने इसकी आलोचना करते हुए कहा कि इस प्रकार का व्यवहार खेल के मैदान में नहीं देखा जाना चाहिये। मैच के पीटरसन ने कहा कि ऋषभ ने जिस प्रकार बल्लेबाजों को मैदान से बाहर जाने के लिए कहा वह सही नहीं था , ऐसा फुटबॉल में होता है क्रिकेट में नहीं । इस मैच के अंतिम ओवर में दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 36 रन चाहिए थे। बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल ने ओबेड मैकॉय की पहली तीन गेंदों पर लगातार तीन छक्के लगाए। डीसी को अंतिम तीन डिलीवरी में से 18 और की जरूरत थी, लेकिन तीसरी गेंद वेस्ट हाइट की वजह से विवादों में आ गई। नॉन स्ट्राइकर कुलदीप यादव ने नो बॉल चेक करने की मांग की थी, जिस पर पहले रोवमैन पॉवेल ने समर्थन किया और फिर पूरी टीम नो बॉल चेक करने की मांग करने लगी। वहीं इसी बीच ऋषभ ने पॉवेल और कुलदीप को मैदान से बाहर आने का इशारा किया हालांकि, सहायक कोच शेन वॉटसन ने उन्हें समझाने की कोशिश की। कैपिटल्स के कोचिंग स्टाफ सदस्य प्रवीण आमरे मैदान में आये पर अंपायरों ने उन्हें वापस जाने के लिए कहा। इस तरह मैच थोड़ी देरी के बाद फिर से शुरू हुआ और कैपिटल्स को 15 रनों से हार का सामना करना पड़ा। पीटरसन ने कहा कि कप्तान का बल्लेबाजों को वापस बुलाना और कोच को खेल को रोकने के लिए मैदान में प्रवेश करना किसी भी प्रकार से सही नहीं कहा जा सकता। मुझे उम्मीद है कि ऐसा आगे से देखने को नहीं मिलेगा।

पुजारा ने काउंटी में दूसरा शतक लगाया पर फॉलो-ऑन नहीं टाल पाये

वार्सेस्टर । अनुभवी भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप में दूसरा शतक लगाया है। पुजारा ने ससेक्स की ओर से खेलते हुए दूसरा शतक लगाया पर वह अपनी टीम को 'फॉलो-ऑन' से नहीं बचा पाये। पुजारा ने 206 गेंद में 109 रन बनाकर अपना 52वां प्रथम श्रेणी शतक लगाया। इससे पहले पुजारा ने सत्र के पहले ही मैच में डर्बीशर के खिलाफ नाबाद 201 रन बनाए थे। पुजारा की पारी के बल पर ही ससेक्स की टीम वॉरसेस्टरशर के पहली पारी में 491 रन के जवाब में 269 रन बना पायी। पुजारा ने तीसरे दिन दूसरे डिवीजन के मुकाबले में पुल शॉट से अपना शतक पूरा किया। पुजारा इस प्रकार एक बार फिर भारतीय टीम में जगह के दावेदार बन गये हैं क्योंकि भारतीय टीम को कोरोना संक्रमण के कारण नहीं हो पाये पिछली श्रृंखला के पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाना है।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश टीम की घोषणा

ढाका।

श्रीलंका के खिलाफ 15 मई से दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के लिए टीम की घोषणा की गई है और अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की वापसी हुई है। श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2021-23 चक्र के तहत खेली जाएगी, जहां श्रीलंका वर्तमान में 50 प्रतिशत के अंक के साथ पांचवें स्थान पर है जबकि बांग्लादेश 16.66 प्रतिशत के साथ आठवें स्थान पर है। 59 टेस्ट मैचों में 4000 से अधिक रन बनाने और 215 विकेट लेने वाले शाकिब व्यक्तिगत कारणों से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से चूक गए। टाइगर्स ने श्रृंखला में अपने इक्का-दुक्का ऑलराउंडर की सेवाओं को 2-0 से सीरीज गंवा दी जिसमें चौथी पारी के दो निराशाजनक प्रदर्शन शामिल थे। शोरफुल इस्लाम की टीम में एंट्री फिटनेस के अधीन होगी। वह टखने की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से भी चूक गए थे। प्रोटियाज के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान कंधे में चोट लगने वाले तस्कीन अहमद अनुपलब्ध हैं क्योंकि उनकी रिकवरी जारी है। मोमिनुल हक की अगुवाई वाली बांग्लादेश की टीम में अनुभव और युवाओं का अच्छा मिश्रण है, जिसमें रेजौर रहमान राजा और शोहिदुल इस्लाम अपने पहले टेस्ट कैप की प्रतीक्षा कर रहे हैं। श्रीलंका 8 मई को बांग्लादेश पहुंचेगा और चटोग्राम में पहला टेस्ट शुरू होने से पहले दो दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगा। इसके बाद कार्रवाई 23 मई को दूसरे टेस्ट के लिए ढाका के शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होगी।

बांग्लादेश टीम :

मोमिनुल हक (कप्तान), तमीम इकबाल, महमूदुल हसन जॉय, नजमुल हुसैन शान्तो, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, यासिर अली, तैजुल इस्लाम, मेहदी हसन मिराज, एबादोट हुसैन, खालिद अहमद, नूरुल हसन, रेजौर रहमान राजा, शोहिदुल इस्लाम, शोरफुल इस्लाम (फिटनेस के अधीन)।

विराट तरोताजा होने खेल से ब्रेक लें : अजहरुद्दीन

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा है कि खराब फार्म से परेशान विराट कोहली को अभी खेल से ब्रेक ले लेना चाहिये। विराट आईपीएल के 15 वें सत्र में दूसरी बार बिना कोई रन बनाये पेवेलियन लौटे। अजहर ने कहा कि विराट ने पिछले कुछ समय में काफी क्रिकेट खेला है।अजहर को लगता है कि विराट को अपने को तरोताजा रखने के लिए 2-3 मैचों का ब्रेक लेना चाहिए। इससे वह असफलताओं के बारे में नहीं सोचेंगे और सकारात्मक क्रिकेट खेलते रहेंगे। अजहरुद्दीन ने कहा, दरअसल मुझे लगता है कि उन्होंने काफी क्रिकेट खेल लिया है। वहीं कई लोगों का कहना है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैचों में पर्याप्त ब्रेक लिए हैं पर अगर आप लगातार आईपीएल खेलेंगे तो थकान होगी ही। मुझे लगता है कि उनका फुटवर्क काफी धीमा हो गया है। एक खिलाड़ी या इनसान के तौर पर जब मैं उन्हें खेलते देखता हूं तो मुझे लगता है कि उन्हें 2-3 मैचों का ब्रेक लेना चाहिए और अपने को तरोताजा रखा चाहिए। अजहर ने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी रन नहीं बना रहा है तो उस पर अगले मैच में रन बनाने का दबाव होता है और अगर वह लगातार असफल होता रहे तो यह सिलसिला चलता रहता है। उन्होंने आगे कहा कि विराट कोहली की क्षमताओं पर कोई संदेह नहीं है पर हर खिलाड़ी को अपने करियर के दौरान ब्रेक की जरूरत होती है। अजहरुद्दीन ने कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ विराट का फुटवर्क सही नहीं था इसी वजह से मार्को येनसन की गेंद पर उनके बल्ले का किनारा लगा और दूसरी स्लिप में वह कैच आउट हुए। अजहर ने कहा, जब आप रन नहीं बना रहे होते हैं तो आप पर अगले मैच में हमेशा रन बनाने का दबाव होता है और यह चलता रहता है लेकिन जब आप दो-तीन मैचों का ब्रेक ले लेते हैं तो आपका दिमाग तरोताजा होता है जिससे रन बनाने में सहायता मिलती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मन से हो जाएं मुक्त

इस दुनिया के किसी भी व्यक्ति या वस्तु से पीछा छुड़ाने की हमें कोई जरूरत नहीं है, हमें सिर्फ अपने मन से मुक्त होने की जरूरत है। जैसे ही आप अपने मन से मुक्त हो जाते हैं, चैतन्यस्वरूप परमात्मा का प्रकाश आपके जीवन के भर देता है।

मैं आपके हाथ जीवनभर सुखी रहने की चाबी थमा देती हूं, अगर आप उसे ठीक से संभाल सको, तो कृपया संभाल लेना। चाबी यही है कि जब-जब आपका मन ठहर जाएगा, वहीं पर आपको सच्चा सुख और आनंद मनाने का मौका मिलता है। और जब भी आपका मन अस्थिर रहेगा, आपको दुख, तनाव और चिंताएं घेर लेती हैं। तब आप उन चीजों की तलाश में दर-दर भटकते फिरते हैं, जिन चीजों से आपको लगता है कि सुख मिलेगा। जब आपको अपनी मनचाही चीज मिल जाती है, तब अचानक थोड़ी देर के लिए आपका मन ठहर जाता है। जैसे ही आपका मन ठहर जाता है, आप अपने ही आनंद में मग्न हो जाते हैं। थोड़ी देर बाद वह चीज तो वहीं पर पड़ी रह जाती है, और आपका मन सुख की तलाश में किसी और चीज की तरफ आकर्षित हो जाता है। पर जब आपको थोड़ी देर सुख मिला था, वह इसलिए कि आपका मन उस समय ठहर गया था।

हर क्षण जब आपका मन ठहर जाता है, आप अपने ही भीतर सुख का अनुभव करते हैं। इस मन को ठहराने का तरीका है आपकी श्वसन क्रिया में। जैसे ही आप अपनी श्वसन क्रिया को शांत करते हैं, आपका मन ठहरने लगता है और जब भी मन ठहर जाता है, आप स्वत- सुख का अनुभव करते हो। बाह्य जगत में हमें सुख पाने के लिए वस्तुओं और व्यक्तियों का गुलाम बनना पड़ता है। लेकिन अपने श्वासों को शांत करके अपने ही भीतर मिलने वाले असीम आनंद को पाने में हम अत्यंत स्वतंत्र महसूस कर सकते हैं।

– आनंदमूर्ति गुरुमां

श्वासों को शांत करने से वहीं और उसी क्षण जैसे ही आपका मन ठहर जाता है, आपका सुख आपको तुरंत मिल जाता है। उसके लिए इस दुनिया के किसी भी व्यक्ति या वस्तु से पीछा छुड़ाने की हमें कोई जरूरत नहीं है, हमें सिर्फ अपने मन से मुक्त होने की जरूरत है। जैसे ही आप अपने मन से मुक्त हो जाते हैं, चैतन्यस्वरूप परमात्मा का प्रकाश आपके जीवन को भर देता है। पर अपने ही भीतर के इस चैतन्य के प्रकाश को आप कैसे देख पाएंगे? सच तो यह है कि जैसे ही आप अपने भीतर उसे देखने में कामयाब हो जाएंगे, जल्दी ही आप बाहर भी उसे देखने लग जाएंगे। लेकिन ज्ञान के बिना आप इस प्रकाश को नहीं देख सकेंगे। प्रश्न यह उठता है कि अगर परमात्मा मेरे ही हृदय में विराजमान हैं, तो उसके लिए मैं क्यों प्यासा हूं? इस मन के अधिष्ठान में परमात्मा ही है, परमात्मा ही आपके मन का सर्वस्व है। फिर भी आपका मन उसके लिये तड़पता है।

कबीर कहते हैं, 'जल विच मीन पियासी, मोहे देखत आवे हासी' यानी पानी में रह कर भी मछली पानी के बिना प्यासी है। आपके मन का अधिष्ठाता परमात्मा है। आप परमात्मा में ही रहते हैं, फिर भी आप परमात्मा से वंचित रहते हैं, दुखी होते हैं और अपने आपको हजार चीजों में उलझाये रखते हैं। जब आपका मन ठहर जाता है, उसी क्षण उस प्यारे के प्रेम की बरसात आपके दिल में होने लगती है। मन को श्वसन क्रिया की अलग-अलग विधियों द्वारा ठहराया जा सकता है, जिससे आपके हृदय के उपवन में परमात्मा के असीम प्रेम की बरसात होने लगती है। अपने आसपास की ध्वनियों को सुनें, उन्हें आत्मसात करें, अपने श्वास में पिरोएं। आपके अंदर जब प्रेम भरने लगेगा, आप खुद अपने आपको मुक्त पाएंगे। परमात्मा के साथ अपना एकाकार करने के लिए बस आपको अपने अंदर की ध्वनि सुननी होगी, अपने श्वासों के माध्यम से। आप दुख और सुख में एकलीन हो जाएं। कुछ समय बाद आप ना दुख को महसूस करेंगे ना सुख को। बल्कि चौबीसों घंटे एक अलग दुनिया में विचरण करेंगे। इस स्थिति तक पहुंचने के लिए योगी, साधू और तपस्वी ना जाने क्या-क्या जतन करते हैं।

परमात्मा को क्या चाहिए? यह सवाल अपने आप से भी जानिए कि आपको क्या चाहिए? जल आपके पास है, वायु आपके पास है, धरती आपके समीप है। इससे अधिक क्या? मोह की मुक्ति की शुरुआत अपने भीतर से करिए। श्वास को आते-जाते महसूस कीजिए और कल्पना कीजिए कि आप मुक्त हो रहे हैं दुखों से, छल-कपट और निष्ठुरता से। यही है सुख की चाबी। दुखों से मुक्ति सुख नहीं है। मुक्ति को पाना और समीप से महसूस करना ही असली सुख है।

जब देवताओं ने ली हनुमानजी के बल और बुद्धि की परीक्षा

हनुमानजी को आकाश में बिना विश्राम लिये लगातार उड़ते देखकर समुद्र ने सोचा कि ये प्रभु श्रीरामचंद्रजी का कार्य पूरा करने के लिए जा रहे हैं। किसी प्रकार थोड़ी देर के लिये विश्राम दिलाकर इनकी थकान दूर करनी चाहिए। उसने अपने जल के भीतर रहने वाले मैनाक पर्वत से कहा, मैनाक! तुम थोड़ी देर के लिये ऊपर उठकर अपनी चोटी पर हनुमानजी को बिठाकर उनकी थकान दूर करो। समुद्र का आदेश पाकर मैनाक प्रसन्न होकर हनुमानजी को विश्राम देने के लिये तुरंत उनके पास आ पहुंचा। उसने उनसे अपनी सुंदर चोटी पर विश्राम के लिये निवेदन किया। उसकी बातें सुनकर हनुमानजी ने कहा, मैनाक! तुम्हारा कहना ठीक है, लेकिन भगवान श्रीरामचंद्रजी का कार्य पूरा किये बिना मेरे लिये विश्राम करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। ऐसा कहकर उन्होंने मैनाक को हाथ से छूकर प्रणाम किया और आगे चल दिये।

हनुमानजी को लंका की ओर प्रस्थान करते देखकर देवताओं ने सोचा कि ये रावण जैसे बलवान राक्षस की नगरी में जा रहे हैं। इनके बल बुद्धि की विशेष परीक्षा कर लेना इस समय आवश्यक है। यह सोचकर उन्होंने नागों की माता सुरसा से कहा, 'देवी सुरसा! तुम हनुमान के बल बुद्धि की परीक्षा लो। देवताओं की बात सुनकर तुरंत सुरसा एक राक्षसी का रूप धारण कर हनुमानजी के सामने जा पहुंची। उसने उनका मार्ग रोकते हुए कहा, वानरवीर! देवताओं ने आज मुझे तुमको अपना आहार बनाने के लिये भेजा है।

उसकी बातें सुनकर हनुमानजी ने कहा, माता! इस समय मैं प्रभु श्रीरामंचद्रजी के कार्य से जा रहा हूं। उनका कार्य पूरा करके मुझे लौट आने दो। उसके बाद मैं स्वयं ही आकर तुम्हारे मुंह में प्रविष्ट हो जाउंगा। इस समय तुम मुझे मत रोको, यह तुमसे मेरी प्रार्थना है। इस प्रकार हनुमानजी ने सुरसा से बहुत प्रार्थना की, लेकिन वह किसी प्रकार भी उन्हें जाने नहीं दे रही थी। अंत में हनुमान जी ने क्रुद्ध होकर कहा, 'अच्छा तो लो तुम मुझे अपना आहार बनाओ। उनके ऐसा कहते ही सुरसा अपना मुंह सोलह योजन तक फैलाकर उनकी ओर बढ़ी। हनुमानजी ने तुरंत अपना आकार उसका दूना अर्थात् 32 योजन तक बढ़ा लिया।

इस प्रकार जैसे जैसे वह अपने मुख का आकार बढ़ाती गयी, हनुमानजी अपने शरीर का आकार उसका दूना करते गये। अंत में उसने अपना मुंह फैलाकर 100 योजन तक चौड़ा कर लिया। तब हनुमानजी तुरंत अत्यंत छोटा रूप धारण करके उसे उस 100 योजन चौड़े मुंह में घुसकर तुरंत बाहर निकल आये। उन्होंने आकाश में खड़े होकर सुरसा से कहा, माता! देवताओं ने तुम्हें जिस कार्य के लिए भेजा था, वह पूरा हो गया है। अब मैं भगवान श्रीरामंचद्रजी के कार्य के लिए अपनी यात्रा पुनः आगे बढ़ाता हूं। सुरसा ने तब उनके सामने अपने असली रूप में प्रकट होकर कहा, महावीर हनुमान! देवताओं ने मुझे तुम्हारे बल बुद्धि की परीक्षा लेने के लिए यहां भेजा था। तुम्हारे बल बुद्धि की समानता करने वाला तीनों लोकों में कोई नहीं है। तुम शीघ्र ही भगवान श्रीरामचंद्रजी के सारे कार्य पूर्ण करोगे। इसमें कोई संदेह नहीं है। ऐसा मेरा आशीर्वाद है।

गाय रखकर कर सकते हैं वास्तु दोषों का निवारण

गाय का भारतीय संस्कृति में विशिष्ट स्थान है। यह सदा से भारतीय जन-जीवन की धुरी रही है। प्राचीन काल में हमारे देश में सर्वाधिक सम्पन्नता के स्तर का मापक गाय ही हुआ करती थी। देशी-विदेशी चिकित्सा प्रणालियों में गाय की बड़ी महिमा है। पुराणों के अनुसार गाय में तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं का निवास है। गाय को भी देवता के समान माना गया है। गर्ग संहिता के अनुसार नौ लाख गाय रखने वाले को नंद, पांच लाख गायों के मालिक को उपनंद। दस लाख गाय वला 'वृषभानु' एंव एक करोड़ गायों को पालक को 'नंदराज' कहा जाता था। श्रीकृष्ण का नाम आते ही उनके चारों ओर गाय-बछड़ों एवं गोप-ग्वालों का चित्र हमारे मानस पटल पर आ जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार गायों की निम्नलिखित विशेषताएं हैं-

- गोदुग्ध पीने से हमें सतत शक्ति एवं स्फूर्ति मिलती है। गोमूत्र सेवन से शरीर रोगमुक्त होता है।
- जिस स्थान पर भवन या घर का निर्माण करना हो तो यदि वहां बछड़े वाली गाय को बांधा जाए तो वहां वास्तु दोषों का निवारण हो जाता है। कार्य निर्विध्न पूरा होता है और समापन तक आर्थिक बाधाएं नहीं आती।
- ज्योतिष में गोधूली का समय विवाह के लिए सर्वोतम माना गया है। जब गायें जंगल से चरकर वापस घर आती है उस समय को गोधूली वेला कहते हैं।
- यात्रा के समय गाय सामने पड़ जाए तो यात्रा सफल होती है।
- किसी भी जन्मपत्री में सूर्य नीच राशि तुला पर हो या अशुभ स्थिति में हो अथवा केतु द्वारा परेशानियां आ रही हो तो गाय की पूजा करनी चाहिए, दोष समाप्त होंगे।
- विष्णु पुराण में कहा गया है जब श्रीकृष्ण पूतना के दुग्धपान से डर गये तो नन्द दम्पनी ने गाय की पूंछ घुमाकर उनकी नजर उतारी और भय का निवारण किया।
- संतान लाभ के लिए गाय की सेवा का अच्छा उपाय कहा गया है। शिवपुराण के अनुसार गाय की सेवा करने वालों को यम का भय नहीं रहता।
- आयुर्वेद में गाय के घी को आयु कहा गया है। गाय का घी सेवन करने वाला व्यक्ति दीर्घायु होता है।
- गोमूत्र में कार्बोलिक एसिड होता है जो कीटानाशक है और शुद्धता बढ़ाता है। इसमें स्वर्णक्षर मौजूद रहता है जो अति उपयोगी रसायन है।
- गाय भारतीय कृषि का आधार है। बिगड़ी भूमि को सुधारने एवं उर्वराशक्ति को बढ़ाने के लिए गोबर का उपयोग हजारों वर्षों से खेती के लिए किया जा रहा है।
- गोमूत्र में सोलह प्रकार के खनिज तत्व होते हैं जो शरीर के रक्षण, पोषण और विकास में सहायक है। इसके समुचित सेवन से रोग-रोधक शक्ति बढ़ती है। शरीर शक्तिशाली एवं चेतनायुक्त होता है।
- गाय के सींगों का बनावट पिरामिड जैसा होता है। वह एक शक्तिशाली एंटीना के रूप में कार्य करती ह। सींगों की मदद से गाय आकाशीय ऊर्जाओं को शरीर में संचित कर लेती है। वहीं ऊर्जा हमें गोमूत्र,

दूध ओर गोबर द्वारा मिलता है।

गाय के दूध में कैरोटीन नामक पदार्थ भैंस के दूध से दस गुना अधिक होता है। भैंस का दूध गर्म करने पर उसके सर्वाधिक पोषक तत्व मर जाते हैं। जबकि गाय का दूध गर्म करने का भी वैसे ही पोषक तत्व विद्यमान रहते हैं।

- देशी गाय पूर्णतय शाकाहारी पशु है जबकि जरसी गाय मांसाहारी जंगली पशु है। जरसी गाय के भोजन में मांस का टुकड़ा मिला दिया जाए तो बड़े चाव से खा जाती है।
- धार्मिक मान्यता के अनुसार भारतीय गोवंश का उद्गम जंगल से नहीं बल्कि समुद्र मंथन से प्राप्त गोमाताओं से है। वैज्ञानिकों का कहना है कि भारतीय गोवंश का मूल स्रोत 'औरक्तस' नामक पशु है जिसने 18 लाख वर्ष पूर्व भारत में जन्म लिया था।
- क्रासबीडिंग करना अथवा विदेशी गायों की ओर देखना छोड़कर हमें अपनी भारतीय नस्ल की गायों को उचित महत्व देना चाहिए।
- गौमाता की कृपा से गोभक्तों का आगामी वंश भी संस्कारवान होता है। गोसेवा करने वाला निश्चिंत रहता है। किसी ने ठीक लिखा है-

जा घर होय तुलसी अरू गाय।
ता धर वैद्य कबहुं नहीं जाए।।

मात्र 11 दिन में खुशी से झोली भर देंगे गणेशजी के यह 3 मंत्र

गणेशजी के यह 3 विलक्षण अमोघ मंत्र

भगवान श्री गणेश आप ने हर रूप में प्रसन्नता और खुशियों का वरदान देते हैं। उनकी हर आराधना फलदायक होती है। वह सौभाग्य और मंगल के प्रदाता हैं। आइए जानते हैं उनके 3 ऐसे चमत्कारी मंत्र जो विधिवत करने पर मात्र 11 दिन में जीवन बदल देने की क्षमता रखते हैं।

मंत्र 1 : गणेश गायत्री मंत्र

ऊँ एकदन्ताय विद्महे वक्रतुंडाय धीमहि तन्नो बुद्धि प्रचोदयात।।

यह गणेश गायत्री मंत्र है। इस मंत्र का 11 दिन शांत मन से 108 बार जप करने से गणेशजी की विशिष्ट कृपा होती है। गणेश गायत्री मंत्र के जप से व्यक्ति का भाग्य चमक जाता है और हर कार्य अनुकूल सिद्ध होने लगता है।

मंत्र 2 : तांत्रिक गणेश मंत्र

ऊँ ग्लौम गौरी पुत्र, वक्रतुंड, गणपति गुरू गणेश।
ग्लौम गणपति, ऋद्धि पति, सिद्धि पति। करों दूर क्लेश।।

11 दिन तक इस मंत्र का 108 बार जाप करने व्यक्ति के जीवन के सारे क्लेश समाप्त होते हैं। धन, धान्य, संपत्ति, समृद्धि, खुशियां, वैभव, पराक्रम, विद्या और शांति की प्राप्ति होती है। लेकिन इस मंत्र के प्रयोग के समय व्यक्ति को पूर्ण सात्विकता रखनी होती है और क्रोध, मांस, मदिरा, परस्त्री संबंधों से दूर रहना होता है।

मंत्र 3 : गणेश कुबेर मंत्र

ऊँ नमो गणपतये कुबेर येकद्रिको फट् स्वाहा।

यह मंत्र अपार लक्ष्मी देने वाला है। गणेशजी की पूजा करने के बाद गणेश कुबेर मंत्र का 11 दिन तक नियमित रूप से जाप करने से व्यक्ति को धन के नवीन स्त्रोत मिलना आरंभ होते हैं। जीवन में खुशियां दस्तक देने लगती है।

वेद, विज्ञान और पुराणों से जानिए शंख की महिमा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लेख मिलता है कि 'शंख' चंद्रमा और सूर्य के समान ही देव हैं। शंख के मध्य में वरुण, पीछे के भाग में ब्रह्मा और आगे के भाग में गंगा और सरस्वती का निवास है।

शंख निधि (धन का खजाना) का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि इस मंगलचिह्न को घर के पूजास्थल में रखने से अनिष्टों का नाश होता है और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

शंख का महत्व जितना धार्मिक है उतना ही वैज्ञानिक, वैज्ञानिकों का मानना है कि शंख-ध्वनि के प्रभाव में सूर्य की किरणें बाधक होती हैं। इससे आसपास का वातावरण तता पर्यावरण शुद्ध रहता है।

आयुर्वेद के अनुसार शंखोदक भस्म से पेट की बीमारियों अमूमन पीलिया, यकृत के रोग, पथरी आदि रोग ठीक होते हैं।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि मूक एवं श्वास रोगी हमेशा शंख बजायें तो बोलने की शक्ति पा सकते हैं। ऋषि श्रृंग की मान्यता है कि छोटे-छोटे बच्चों के शरीर पर छोटे-छोटे शंख बांधने तथा शंख में जल भरकर अभिमंत्रित करके पिलाने से वाणी-दोष नहीं रहता है।

यजुर्वेद में कहा गया है कि 'यस्तु शंखध्वनि कुर्यात्पूजाकाले विशेषत:, वियुक्त: सर्वपापेन विष्णुनां सह मोदते' यानी पूजा के समय जो व्यक्ति शंख-ध्वनि करता है, उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और वह भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाता है।

मुगल काल के मशहूर संगीतज्ञ तानसेन ने अपने आरंभिक दौर में शंख बजाकर ही गायन शक्ति प्राप्त की थी। अथर्ववेद के चतुर्थ अध्याय में शंखमणि सूक्त में शंख की महिमा का वर्णन मिलता है। अथर्ववेद के अनुसार, शंख से राक्षसों का नाश होता है। भागवत पुराण में भी शंख का विस्तृत उल्लेख मिलता है। यजुर्वेद के अनुसार युद्ध में शत्रुओं का दिल दहलाने के लिए शंख फूकने का वर्णन मिलता है।

गोरक्षा संहिता, विश्वामित्र संहिता, पुलस्त्य संहिता आदि ग्रंथों में दक्षिणावर्ती शंख को आयुर्वद्धक और समृद्धि दायक कहा गया है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, पूजा के समय शंख में जल भरकर देवस्थान में रखने और उस जल से पूजन सामग्री धोने और घर के आस-पास छिड़कने से वातावरण शुद्ध रहता है।

विष्णु पुराण के अनुसार माता लक्ष्मी समुद्र राज की पुत्री हैं तथा शंख की उत्पत्ति भी समुद्र से हुई है, इसलिए शंख उनके भाई है। मान्यता है कि जहां शंख है, वहीं लक्ष्मी जी का वास होता है।

सार समाचार

पुतिन और शहबाज ने एक दूसरे को लिखा पत्र, जताई सहयोग मजबूत करने की इच्छा

इस्लामाबाद। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पाकिस्तान के नये प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने की इच्छा व्यक्त करते हुए एक दूसरे को पत्र भेजे हैं। रविवार को मीडिया में यह खबर आई। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, इस महीने की शुरूआत में शहबाज के प्रधानमंत्री बनने के बाद पत्रों का आदान-प्रदान किया गया था, जिन्हें दोनों पक्षों ने मीडिया से दूर रखा। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी का हवाला देते हुए खबर में कहा गया है कि पुतिन ने शरीफ को उनके प्रधानमंत्री बनने पर बधाई देते हुए पत्र लिखा। खबर में कहा गया है कि उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की इच्छा भी व्यक्त की। अपने जवाब में, शहबाज ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ अफगानिस्तान पर सहयोग के बारे में समान भावनाएं व्यक्त कीं।

यदि अमेरिका भारत से मित्रता चाहता है तो दोस्त को कमजोर नहीं होना चाहिए : सीतारमण

वाशिंगटन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत भौगोलिक स्थिति को देखते हुए रूस जैसे मुद्दों पर 'सधा हुआ रुख' अपना रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि अमेरिका भारत के रूप में एक मित्र चाहता है तो उसे समझना चाहिए कि दोस्त को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। सीतारमण विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठकों में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका पहुंची थीं। वाशिंगटन में भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय रिश्ते आगे बढ़ने के साथ-साथ मजबूत हुए हैं और यूक्रेन युद्ध के बाद इसमें अधिक अवसर पैदा हुए हैं। अमेरिका दौरे पर वित्त मंत्री ने कई द्विपक्षीय बैठकें कीं और विभिन्न बहुपक्षीय बैठकों में हिस्सा लिया। उन्होंने बाइडन प्रशासन के कई शीर्ष अधिकारियों के साथ संवाद किया। द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े एक सवाल पर सीतारमण ने कहा, 'यह माना जा रहा है कि अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते आगे बढ़े हैं। ये और गहरे हुए हैं। इन पर कोई भी सवाल नहीं उठा रहा है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन यह भी स्पष्ट है कि रक्षा उपकरणों के लिए रूस पर पारंपरिक निर्भरता ही नहीं, बल्कि भारत के उससे कई दशक पुराने रिश्ते भी हैं। और यदि मैं थोड़े विश्वास के साथ कुछ कह सकती हूं तो यह एक सकारात्मक समझ है। यह एक नकारात्मक समझ नहीं है।' सीतारमण ने कहा, 'मुझे लगता है कि अधिक से अधिक अवसर पैदा हो रहे हैं, बजाय इसके कि अमेरिका हमसे यह कहते हुए दूरी बना रहा है कि हम रूस पर सधा हुआ रुख अपना रहे हैं और ऐसा नहीं लगता है कि हम उसके करीब जा रहे हैं।' वित्त मंत्री का यह बयान यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की सीधे तौर पर निंदा करने से भारत के इनकार और रूसी तेल की खरीद के नयी दिल्ली के फैसले को लेकर पश्चिमी देशों में बढ़ती बेचैनी के बीच आया है। अमेरिका यह भी चाहता है कि भारत अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सबसे बड़े रक्षा आपूर्तिकर्ता रूस पर निर्भरता बंद करे। सीतारमण के मुताबिक, अमेरिका के साथ भारत के संबंध प्रतिदिन सुधर रहे हैं।

भारत ने श्रीलंका को ईंधन खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त ऋणसुविधा दी

कोलंबो। गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे श्रीलंका की मदद के लिए भारत उसे ईंधन खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त ऋणसुविधा देने के लिए राजी हो गया है। श्रीलंका के वित्त मंत्री अली साबरी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि भारत से मिलने वाली इस ऋणसुविधा का इस्तेमाल कच्चे तेल के आयात के लिए किया जाएगा। विदेशी मुद्रा के अभाव में श्रीलंका अपनी ईंधन जरूरत के लिए तेल भी आयात नहीं कर पा रहा है। हालांकि श्रीलंका ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) से त्वरित वित्तीय मदद के लिए गुहार लगाई हुई है लेकिन इस राहत पैकेज पर बातचीत में हो रही देरी को देखते हुए भारत ने अपनी तरफ से उसे 50 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त ऋणसुविधा दी है। भारत ने इसके पहले फरवरी में भी श्रीलंका को ईंधन खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋणसुविधा दी थी। उस राशि से श्रीलंका ने भारतीय तेल कंपनी इंडियन ऑयल से तेल की खरीदारी की है। लेकिन अब वह राशि भी खत्म होने के कगार पर पहुंच चुकी थी। इस लिहाज से भारत की तरफ से दी गई अतिरिक्त ऋणसुविधा से श्रीलंका को संकट से उबरने में थोड़ी मदद मिलेगी। फिलहाल आईएमएफ से मदद के लिए बातचीत के लिए वाशिंगटन में मौजूद साबरी ने इसके साथ ही उम्मीद जतायी कि भारत एक अरब डॉलर की एक और ऋणसुविधा देने पर भी विचार करेगा। भारत पहले ही आयात भुगतान के एवज में 1.5 अरब डॉलर का भुगतान रोकने के लिए राजी हो गया है। उसने शुक्रवार को श्रीलंका के लिए इस साल जनवरी में दिए 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला-बदली सुविधा की अवधि बढ़ा दी है। श्रीलंका को अपनी बढ़ती आर्थिक परेशानियों से निपटने के लिए कम से कम चार अरब डॉलर की मदद की आवश्यकता है और साबरी वित्तीय सहायता के लिए चीन तथा जापान जैसे देशों के साथ ही विश्व बैंक एवं आईएमएफ जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से भी बातचीत कर रहे हैं। साबरी ने कहा, ह्यह्यअगले नौ महीने हमारे लिए मुश्किल रहेंगे।इस दौरान हमें श्रीलंकाई केंद्रीय बैंक में अमेरिकी डॉलर में अधिक निवेश लाने की आवश्यकता है। हम कई देशों से बातचीत कर रहे हैं। अगर ये प्रयास सफल होते हैं और अगर केंद्रीय बैंक में दो अरब डॉलर का निवेश आता है तो इससे हमारी मुद्रा का अवमूल्यन नहीं होगा और वह स्थिर हो जाएगा।'

तुर्की ने रूसी नागरिकों और सेना के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद किया

अंकारा। तुर्की के राजदूत ने कहा कि अंकारा ने अपना हवाई क्षेत्र रूस के आम नागरिकों और सैनिकों के लिए बंद कर दिया है। राजदूत मेवलट कावूसोग्लू ने उरुग्वे की यात्रा के दौरान तुर्की के पत्रकारों के एक समूह को बताया कि रूसी उड़ानों को सीरिया तक जाने के लिए तुर्की के हवाईक्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति अप्रैल तक थी। वहीं एक टेलीविजिन रिपोर्ट के अनुसार, कावूसोग्लू ने शनिवार को कहा कि उन्होंने मार्च में मॉस्को की यात्रा के दौरान उससे हवाईक्षेत्र का इस्तेमाल नहीं करने का अनुरोध किया था और रूस ने तुर्की के इस अनुरोध को मान लिया था। राजदूत ने इस पूरे मामले की विस्तार से जानकारी नहीं दी और अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या यह कदम कथित तौर पर सीरियाई लड़ाकों को रूस भेजे जाने से रोकने के लिए उठाया गया है। गौरतलब है कि तुर्की उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य है और रूस तथा यूक्रेन के साथ अपने निकट संबंधों के बीच संतुलन बैठाने की कोशिश कर रहा है। तुर्की रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों में शामिल नहीं हुआ है, लेकिन उसने कुछ रूसी युद्धपोतों के लिए काले सागर में प्रवेश के मार्ग को बंद कर दिया था। तुर्की ने रूस और यूक्रेन के विदेश मंत्रियों के बीच एक बैठक भी कराई थी। साथ ही दोनों देशों के वार्ताकारों के बीच बातचीत में भी मदद की थी।

बीजिंग में कोरोना वायरस की जांच के लिए नमूने एकत्र करते हुए एक कर्मचारी।

एक्शन में पाकिस्तान सरकार, शहबाज शरीफ और अन्य हस्तियों के नाम नो फ्लाई लिस्ट से हटाए गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नई सरकार ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ समेत कई बड़ी हस्तियों के नाम 'नो-फ्लाई' सूची से हटा दिये हैं। गत सप्ताह मंत्रिमंडल की पहली बैठक में गृह मंत्री राणा सनाउल्ला को 'एग्जिट कंट्रोल लिस्ट' (ईसीएल) की समीक्षा करने के लिये अधिकृत किया गया था। इस सूची में उनका नाम है जिन्हें देश छोड़ने की इजाजत नहीं है।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, गृह मंत्रालय ने ईसीएल से उन नामों को हटाने के लिए अधिसूचना जारी करना शुरू कर दिया है, जो बिना किसी ठोस कारण के 120 दिन से सूची में थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उनकी पत्नी नुसरत शहबाज, भतीजी मरियम नवाज, पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी, उनके बेटे अब्दुल्ला खाकान और वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल को बिना किसी रोक-टोक के देश से बाहर जाने की अनुमति दे दी गई है। सनाउल्लाह ने शुक्रवार को कहा था कि राजनीतिक प्रतिशोध के लिए ईसीएल में नाम डाले गए। ईसीएल काली सूची में 4,863 लोग औरअस्थायी राष्ट्रीय पहचान सूची (पीएनआईएल) में 30,000 लोग हैं। मंत्री ने कहा था, ह्यह्यहां, ईसीएल नियमों में संशोधन किया गया है, जिससे सीधे तौर पर 3,500 लोगों को फायदा होगा।

यूक्रेन के इस्पात कारखाने पर बमबारी, जेलेंस्की अमेरिकी मंत्रियों से करेंगे मुलाकात

कीव। (एजेंसी)

यूक्रेन में रूसी सेना ने दक्षिणी शहर मारियुपोल में सैनिकों और नागरिकों को आश्रय देने वाले एक इस्पात संयंत्र में घुसने की कोशिश की। इसे सामरिक रूप से महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर में प्रतिरोध के आखिरी गढ़ को खत्म करने की रूसी कवायद बताया जा रहा है। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह बात कही। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि वह कीव में दो शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। जेलेंस्की ने बताया कि वह राजधानी कीव में रविवार को अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात करेंगे जो रूस की सैन्य कार्रवाई के 60वें दिन हो रही है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वह नतीजे की उम्मीद कर रहे हैं, ह्यह्यन कि केवल उपस्थित होने या कुछ केक देने के लिए मुलाकात कर रहे हैं। हम विशेष चीजें और खास हथियारों की उम्मीद कर रहे हैं।ह्ल यूक्रेन में 24 फरवरी को रूसी सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद से अमेरिकी मंत्रियों की कीव की यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा होगी। ब्लिंकन ने मार्च में पोलैंड की यात्रा के दौरान यूक्रेन के विदेश मंत्री से मुलाकात करने के लिए थोड़ी देर के लिए यूक्रेन की धरती पर कदम रखे थे। जेलेंस्की की किसी अमेरिकी नेता से पिछली बार आमने-सामने की मुलाकात 19 फरवरी को हुई थी। उस समय उन्होंने म्यूनिख में अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मुलाकात की थी। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है जब यूक्रेनी और रूसी लोग ऑर्थोडॉक्स ईस्टर मना रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, ह्यह्यपुनरुत्थान होगा। मृत्यु पर जीवन की जीत होगी। सच्चाई, झूठ को हराएगी। और शैतान दंडित होंगे तथा रूस इस सच्चाई का फिर से सामना करेगा, यह केवल समय का खेल है।ह्ल उल्लेखनीय है कि मारियुपोल शहर पर कब्जे के लिए रूसी सेना गत दो महीने से कोशिश कर रही है।

अजोव सागर के किनारे बसे इस शहर ने युद्ध के सबसे भयानक स्वरूप को देखा है। इस पर कब्जे से यूक्रेन का बंदरगाह से संपर्क कट जाएगा और रूसी सैनिकों को कहीं भी लड़ाई में आसानी होगी। इसके साथ ही क्रीमिया प्रायद्वीप के लिए जमीनी गलियारा तैयार हो जाएगा जिस पर रूस ने वर्ष 2014 में कब्जा किया था। करीब दो हजार यूक्रेनी सैनिक यूक्रेन के आखिरी मोर्चे मारियुपोल के अजोवस्ताल इस्पताल कारखाने पर कब्जा बरकरार रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस कारखाने की जटिल सुरंग प्रणाली में आम नागरिकों ने भी शरण ले रखी है। यूक्रेनी सशस्त्र बल के जनरल स्टाफ प्रवक्ता आलेक्सांद्र शतुपुन ने रविवार को बताया कि रूसी बल संयंत्र को नष्ट करने का कार्य जारी रखे हुए हैं और वे लंबी दूरी वाले लड़ाकू विमानों की मदद से हवाई हमले कर रहे हैं। युद्ध के अधिकतर समय मारियुपोल घेराबंदी में ही रहा। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि जब लड़ाई खत्म होगी तो उन्हें हजारों आम लोगों के मारे जाने और युद्ध अपराध के सबूत मिलेंगे। उपग्रह से ली गई तस्वीरों में कथित तौर पर दिखाई दे रहा है कि मारियुपोल के पश्चिमी और पूर्वी कस्बों में सामूहिक कब्र खोदी गई हैं। शतुपुन ने बताया कि रूसी बलों ने लुहांस्क के पोपस्ना और शिवरोदोनेत्स्क शहरों में हमले तेज कर दिए हैं। लुहांस्क के क्षेत्रीय गवर्नर सेरहिय हैदाई ने रविवार को कहा कि शनिवार को रूसी हमले में आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हुए हैं। गवर्नर वेलेंटिन रेजनिचेंको ने बताया कि रूसी बलों ने पश्चिमी डोनबास के दिनीप्रो इलाके में भी बमबारी की है और कम से कम एक व्यक्ति की मौत रूसी मिसाइल की जद में आने से हुई है।

हाई अलर्ट पर चीन की राजधानी बीजिंग, शंघाई में कोविड से और 39 लोगों की मौत

बीजिंग। (एजेंसी)

चीन की राजधानी बीजिंग कोरोना वायरस महामारी के प्रसार के चलते ह्यहाई अलर्टह्ल पर है। संक्रमण के बढ़ते मामलों से स्थिति गंभीर हो गई है। देश के वित्तीय केंद्र शंघाई में कोविड से और 39 लोगों की मौत हो गई है, जो एक दिन की सर्वाधिक संख्या है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को बताया कि देश में शनिवार को संक्रमण के 21,796 नए मामले सामने जिनमें 1,566 मरीजों में कोविड के लक्षण हैं, जबकिअन्य मामलों में मरीजों में रोग के लक्षण नहीं हैं। अधिकांश मामले शंघाई से हैं। बीजिंग में महामारी को लेकर अत्यधिक सतर्कता बरती जा रही है, क्योंकि शहर में शनिवार को स्थानीय स्तर पर संक्रमण के 22 नए मामले सामने आये।

शुक्रवार को शहर में मध्य विद्यालय के 10 छात्रों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद सतर्कता बढ़ा दी गई, जिसके बाद अधिकारियों ने एक सप्ताह के लिए स्कूल में कक्षाएं स्थगित कर दीं। बीजिंग रोग निवारण और नियंत्रण केंद्र के उप निदेशक पैंग जिंगहुओ ने कहा कि लगभग एक सप्ताह पहले शहर में स्थानीय स्तर पर वायरस का प्रसार शुरू हुआ और इसमें स्कूल, यात्री समूह और परिवार शामिल थे। पैंग ने कहा कि बड़े पैमाने पर निर्माण श्रमिकों और स्कूल में काम करने वाले तथा घूमने गए वरिष्ठ नागरिकों की कोविड जांच की जाएगी। बीजिंग के सरकारी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, शंघाई शहर वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप का केंद्र रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शंघाई के अलावा, 16 अन्य प्रांतीय स्तर के क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर कोविड-19 के नये मामले सामने आये हैं, जिनमें जिलिन में 60, हेइलोंगजियांग में 26 और बीजिंग में 22 शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश भर में 29,531 कोविड के मरीजों का इलाज चल रहा है।

फ्रांस में नया राष्ट्रपति चुनने के लिए मतदान शुरू, एमैनुएल मैक्रों की जीत की संभावना

पेरिस। (एजेंसी)

फ्रांस में राष्ट्रपति पद के लिए रविवार को मौजूदा राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और धुर दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन में से एक चुनने के लिए रविवार को मतदान शुरू हो गया। मैक्रों के लगातार दूसरी बार देश के राष्ट्रपति चुनाव जीतने की संभावना अधिक है। अगर इस चुनाव में मैक्रों की जीत होती है तो वह पिछले 20 साल में लगातार दूसरा कार्यकाल हासिल करने वाले पहले फ्रांसीसी राष्ट्रपति बन जाएंगे। साथ ही, यूरोप की भविष्य की दिशा तय करने में और यूक्रेन में युद्ध रोकने के पश्चिमी देशों के प्रयासों पर दूरगामी परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

हाल के दिनों में सभी ह्यओपिनियन पोलह्ल ने यूरोप समर्थक मध्यमार्गी नेता मैक्रों (44) का अनुमान लगाया है। हालांकि, उनके राष्ट्रवादी प्रतिद्वंदी पेन (53) पर जीत का अंतर छह से 15 प्रतिशत मत के बीच रह सकता है। दोनों उम्मीदवार एक वामपंथी उम्मीदवार के 77 लाख मतों को प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। वह उम्मीदवार राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो गये हैं। मतदान केंद्र रविवार सुबह आठ बजे खुल गए और अधिकतर स्थानों पर शाम सात बजे बंद हो जाएंगे, जबकि बड़े शहरों में रात आठ बजे तक मतदान केंद्र खुले रहेंगे।

'पाटीर्गेट' मामले में और जुमार्ना लगाये जाने की खबरों के बीच बोरिस जॉनसन भारत से ब्रिटेन लौटे

लंदन (एजेंसी)

स्कॉटलैंड यार्ड द्वारा यहां '10 डाउनिंग स्ट्रीट' पर कोविड-19 लॉकडाउन के उल्लंघन के लिये और जुमार्ना लगाये जाने की खबरों के बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन दो दिवसीय भारत यात्रा के बाद शनिवार को ब्रिटेन लौट आए। मेट्रोपॉलिटन पुलिस पाटीर्गेट कांड की जांच कर रही है। शुक्रवार को दिल्ली में अपने अंतिम संवाददाता सम्मेलन के दौरान, 57 वर्षीय जॉनसन ने 'पाटीर्गेट' के मुद्दे पर सवालों का जवाब नहीं दिया था।

जॉनसन ने ब्रिटेन के पत्रकारों को 'पाटीर्गेट' के संबंध में पूछे गये सवालों के जवाब में कहा था, 'आज हम जिस तरीके की बात कर रहे हैं, वह यह है कि न केवल यूक्रेन में, बल्कि दुनियाभर की स्थिति ब्रिटेन और भारत को एक साथ और अधिक करने के लिए बाध्य कर रही है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे देश में लोग चाहते हैं कि सरकार उन मुद्दों पर ध्यान दे, जिनके लिए हम चुने गए हैं, और यही हम करने जा रहे हैं।' जॉनसन ने कोविड-19 लॉकडाउन के उल्लंघन के लिये स्कॉटलैंड यार्ड द्वारा लगाए गए जुमार्ने का भुगतान कर दिया था और इस मामले में पूर्ण रूप से माफी मांगी थी। स्कॉटलैंड यार्ड द्वारा यहां '10 डाउनिंग स्ट्रीट' पर कोविड-19 लॉकडाउन के उल्लंघन के लिये और जुमार्ना लगाये जाने की खबरें हैं। प्रधानमंत्री के एक प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें अब तक और जुमार्ना लगाये जाने की सूचना नहीं मिली है। कोरोना वायरस के प्रसार की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन का उल्लंघन करके ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के कार्यालय 'डाउनिंग स्ट्रीट' और सरकार के कार्यालयों के भीतर आयोजित की गई पार्टियों के मामले को पाटीर्गेट के तौर पर जाना जाता है। इस मामले में व्यापक आलोचना के कारण प्रधानमंत्री जॉनसन को संसद में माफी मांगनी पड़ी थी।

शी ने मुझसे कहा था कि चीन के खिलाफ है क्वाड : बाइडन

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग ने एक बार उनसे कहा था कि वह क्वाड को चीन के खिलाफ मजबूत कर रहे हैं। चीन का सरमरिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कई देशों के साथ क्षेत्रीय विवाद है और वह क्वाड गठबंधन का उसके गठन के बाद से ही जोरदार विरोध कर रहा है।

बाइडन ने सिएटल स्थित एक निजी आवास पर डेमोक्रेटिक पार्टी के वास्ते धन एकत्रित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'मैंने शी चिनफिंग को संकेत दिया था कि मैं क्वाड (ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका) के बीच सहयोग बढ़ा रहा हूं। इस पर उन्होंने कहा कि आप केवल वह कर रहे हैं जो हमें प्रभावित करता है लेकिन मैंने कहा था, ऐसा नहीं है।'

बाइडन ने कहा कि उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि 'क्वाड इसलिए है, क्योंकि हम उन लोगों को एकसाथ रखने की कोशिश कर रहे हैं जिनके पास हिंद-प्रशांत में एकसाथ काम करने का एक अवसर है।' उन्होंने कहा, 'भारत समेत अन्य देशों की अपनी-अपनी समस्याएं हैं, लेकिन तानाशाह जिस बात से सबसे ज्यादा डरते हैं, वह यह धारणा है कि हम एकसाथ मिलकर काम कर सकते हैं और उनके खिलाफ काम कर सकते हैं जो वास्तव में निरंकुश हैं।'

उन्होंने कहा कि केवल चीन और रूस की बात नहीं हो रही, बल्कि निरंकुश देशों में अन्य देश भी हैं। फरवरी में, चीन ने क्वाड गठबंधन को चीन के उदय को रोकने और अमेरिकी आधिपत्य को बनाए रखने का उपकरण/जरिया करार दिया था। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने फरवरी में बीजिंग में कहा था, 'चीन का मानना है कि अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया द्वारा मिलकर बनाया गया तथाकथित क्वाड समूह अमेरिकी आधिपत्य बनाए रखने के लिए चीन को घेरने का एक उपकरण है। इसका उद्देश्य टकराव को भड़काना और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता और सहयोग को कमजोर करना है।' कार्यक्रम के दौरान बाइडन ने कहा कि जब वह निर्वाचित हुए तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोचा कि वह आसानी से उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को तोड़ने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा, 'यह शुरूआत से ही उनके उद्देश्य का एक हिस्सा था और मैं जानता हूं कि मैं यह आठ साल से कह रहा हूं।' बाइडन ने कहा, 'हालांकि विडंबना है कि ... उन्हें वही मिला जो वह नहीं चाहते थे। वह यूरोप पर प्रभाव जमाना चाहते थे। इसके बजाय, फिनलैंड ने कहा कि वह नाटो में शामिल होना चाहता है और स्वीडन भी नाटो में शामिल होना चाहता है। उनके कदम से इनकी इच्छा के विपरीत परिणाम सामने आ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कह रहा हूं कि इससे सब कुछ आसान हो जाता है। लेकिन मुद्दा यह है कि हमारे सामने ऐसी परिस्थिति है जिसमें यूक्रेनी लोग अविश्वसनीय रूप से बहादुर हैं, वे

अविश्वसनीय रूप से प्रतिबद्ध हैं, न केवल प्रशिक्षित सेना बल्कि सड़कों पर उतरे लोग भी।' उन्होंने कहा, 'वे पुतिन के इस सिद्धांत का झुठला रहे हैं कि चूंकि उनकी स्लाव पृष्ठभूमि है और उनमें से कई रूसी बोलते हैं, वहां उनका खुले दिल से स्वागत किया जाएगा। लेकिन ठीक इसके विपरीत हुआ है।' नवंबर 2017 में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी के बीच महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए एक नई रणनीति विकसित करने के वास्ते लंबे समय से लंबित प्रस्ताव के तहत क्वाड को आकार दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

गुजरात चुनाव से पहले कांग्रेस को लगा झटका, पूर्व विधायक मणिलाल वाघेला भाजपा में हुए शामिल

अहमदाबाद। कांग्रेस के पूर्व विधायक मणिलाल वाघेला गुजरात में इस साल दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अपने कई समर्थकों के साथ रविवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। उन्हें 2017 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया था। भाजपा की गुजरात इकाई के अध्यक्ष सी आर पाटिल ने बनासकांठा जिले के वडगाम शहर में ह्यविजय विश्वास सम्मेलनह्ल में पार्टी के स्कार्फ के साथ वाघेला का स्वागत किया। वाघेला ने कांग्रेस के टिकट से वडगाम सीट से 2012 का चुनाव जीता था, लेकिन उन्हें 2017 के विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिला। पार्टी ने निर्दलीय उम्मीदवार और दलित नेता जिग्नेश मेवानी का समर्थन करने का फैसला किया था, जिन्होंने भाजपा के अपने प्रतिद्वंद्वी को हराया था। लंबे समय तक कांग्रेस से जुड़े रहे वाघेला ने पिछले साल नवंबर में पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने पार्टी द्वारा मेवानी के लिए उन्हें नजरअंदाज करने पर नाखुशी जतायी थी। उन्होंने मेवानी के 'भड़काऊ भाषणों' और दलित पहचान की राजनीति करने पर आपत्ति जतायी थी। उल्लेखनीय है कि मेवानी को कुछ दिनों पहले असम पुलिस ने एक ट्वीट को लेकर बनासकांठा के पालनपुर शहर से गिरफ्तार किया था। वह अभी असम पुलिस की हिरासत में हैं। पूर्वोत्तर राज्य में एक अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। भाजपा में शामिल होने के तुरंत बाद वाघेला ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए उसे 'दिशाविहीन पार्टी' बताया, जहां कोई भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की शिकायतें सुनने के लिये नहीं है।

भाजपा सांसद साक्षी महाराज बोले- घर पर रखें कोल्ड ड्रिंक की पेटियां और असली तीर-कमान

उन्नाव। देश में इस समय अमर्यादित बयानों की बाढ़ के बीच उत्तर प्रदेश की उन्नाव लोकसभा सीट से भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने भी फेसबुक पर भड़काऊ पोस्ट लिखा है। भाजपा सांसद ने वर्ग विशेष को चिह्नित करते हुए एक भड़काऊ फोटो पोस्ट की और लोगों को घर में कोल्डड्रिंक की बोतलें व ओरिजिनल तीर कमान रखने की सीख दी है। साक्षी महाराज ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'आपके गली-मोहल्ले या आपके घर पर अचानक से ये भीड़ आ जाए तो इससे बचने का कुछ उपाय है आपके पास! अगर नहीं है तो कर लीजिए, पुलिस बचाने नहीं आएगी बल्कि खुद बचने के लिए किसी दड़बे में छिप जाएगी।'
उन्होंने लिखा, ह्यजब यह लोग जिहाद करके वापस चले जाएंगे तब पुलिस डंडा ठोकने आ जाएगी और कुछ दिनों बाद मामला जांच कमेटी में जाकर खत्म हो जाएगा। ऐसे मेहमानों के लिए कोल्ड ड्रिंक की एक दो पेटी, कुछ ओरिजनल वाली तीर कमान हर घर में होनी चाहिए। जय श्री राम।' उन्नाव से बीजेपी के सांसद साक्षी महाराज हमेशा अपने विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। पिछले दिनों दिल्ली में हनुमान जयंती के मौके पर निकली शोभा यात्रा को लेकर भड़की हिंसा को लेकर उन्होंने जिहाद का नाम दिया था। उन्होंने कहा था कि रामनवमी के दिन योजनाबद्ध तरीके से पत्थर चलाए गए हैं। मैं इसको पत्थर जिहाद का नाम दूंगा।

कर्नाटक: बेंगलुरु के एक स्कूल में छात्रों को बाइबिल ले जाना अनिवार्य, दक्षिणपंथियों ने जताई नाराजगी

बेंगलुरु। कर्नाटक के एक शैक्षणिक संस्थान में हिजाब विवाद के बाद अब बेंगलुरु में एक स्कूल ने छात्रों के लिए बाइबल को स्कूल ले जाने की अनिवार्यता को लेकर घमासन छिड़ गया है। मामले पर दक्षिणपंथी समूहों ने नाराजगी जताई है। क्लेरेंस स्कूल ने माता-पिता से एक शपथ पत्र भी लिया है, जिसमें कहा गया है कि छात्रों को स्कूल में बाइबिल या हिम (भजन) की किताब ले जाने पर कोई आपत्ति नहीं होगी। नए निर्देश पर दक्षिणपंथी समूहों की प्रतिक्रियाएं आई हैं, जिन्होंने इसे कर्नाटक शिक्षा अधिनियम का उल्लंघन बताया है। समूह का आरोप है कि छात्रों पर उनकी मर्जी के खिलाफ धार्मिक शिक्षा थोपी जा रही है। उन्होंने शिक्षा विभाग से स्कूल के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की है। हाल ही में कर्नाटक सरकार ने स्कूलों में भगवद गीता को स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल करने की योजना की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने कहा था कि भगवद गीता को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्णय चर्चा के बाद लिया जाएगा। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने कहा, ह्यभगवद गीता इस देश में कई सालों से लोगों द्वारा पढ़ी गई है। गीता सभी लोगों द्वारा पढ़ी जाती है और पुस्तक का अनुवाद दुनिया भर की सभी भाषाओं में किया जा रहा है। छात्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए हम पहले शिक्षाविदों और विशेषज्ञों से इस पर चर्चा करेंगे।ह्ल कर्नाटक के अलावा गुजरात ने भी यह भी घोषणा की है कि शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से भगवद गीता कक्षा 6 से 12 तक के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा होगी।

सूरज दिखाएगा रौद्र रूप, 4 दिनों में दिल्ली सहित कई राज्यों में बढ़ेगा तापमान

-पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव लगभग खत्म हो गया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक बार फिर भीषण गर्मी का दौर शुरू होने जा रहा है दरअसल, दो दिन पहले शुरू हुए पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने लगा है। अब सूरज अपना रौद्र रूप दिखाएगा। रविवार से गर्मी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। रविवार को राजधानी में अधिकतम तापमान 41 जबकि न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। लू भी परेशान करेगी। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को आसमान तो साफ रहेगा, लेकिन 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलेगी। अप्रैल के अंतिम दिनों में तापमान रिकार्ड 44 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।
मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ चुका है। अरब सागर से नमी मिलने का सिलसिला भी थम गया है। इस वजह से बादल भी छंट गए हैं। दिल्ली, गुजरात, राजस्थान में भी तापमान बढ़ने लगा है। इस वजह से मप्र में भी गर्मी के तेवर तीखे होने लगे हैं। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक 27 अप्रैल तक उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड और राजस्थान लू की चपेट में आने वाले हैं। अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वोत्तर में जहां बारिश होगी, वहीं गुजरात में लू का प्रकोप रहेगा। इसके उलट विदर्भ और पश्चिम बंगाल में आंधी-तूफान के हालात बने रहेंगे। दक्षिणी मध्य महाराष्ट्र में भी ओलावृष्टि की आशंका है।
पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव लगभग खत्म हो गया है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक तापमान अब फिर से 45 डिग्री के पार तक जाएगा। बुंदेलखंड क्षेत्र में झांसी सबसे ज्यादा गर्म होगा। वहीं वाराणसी और आगरा का तापमान भी सबसे ज्यादा दर्ज किया जा सकता है। वहीं वाराणसी, अयोध्या और झांसी में पारा 45 के पार जाने के संकेत हैं। बिहार में बारिश के बाद अचानक से बदला हवा का रुख खतरा लेकर आया है। मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वी से पश्चिमी हुई हवा हीट वेव का खतरा बढ़ा रही है। मौसम विभाग का पूवार्नुमान आने वाले 5 दिनों तक हीट वेव के खतरे को लेकर है। शनिवार की सुबह तक बारिश का माहौल बना रहा लेकिन अचानक से मौसम में गर्मी आ गई है। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42।6 डिग्री सेल्सियस डेहरी में दर्ज किया गया। विभाग के अनुसार, 25 अप्रैल के आसपास एक हल्का पश्चिमी विक्षोभ रहेगा। इसके चलते आंशिक तौर पर बादल गरज सकते हैं जबकि मामूली सी बूंदाबादी हो सकती है। इसके बाद तापमान में तेजी से वृद्धि होगी। अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। 28 से 29 अप्रैल तक रिकार्ड स्तर पर 44 डिग्री सेल्सियस तक तापमान पहुंच सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस तक बना रहेगा।

ट्रांसजेंडर लोगों के लिए पहली जनगणना करा सकता है उत्तर प्रदेश, 200 करोड़ बजट का दिया गया प्रस्ताव

नोएडा (उत्तर प्रदेश)। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में समाज कल्याण मंत्रालय ने राज्य के ट्रांसजेंडर लोगों के लिए अपनी तरह की पहली जनगणना कराने का प्रस्ताव किया है, जिसका लक्ष्य इस वंचित तबके के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाने और उन्हें लागू करना है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय ने राज्य की ट्रांसजेंडर आबादी के कल्याण के लिए 200 करोड़ रुपये के बजट का प्रस्ताव किया है जिसके तहत उन्हें शिक्षा प्रदान करने, मूलभूत सुविधाओं से युक्त कॉलोनियां विकसित करने और समुदाय के बुजुर्ग सदस्यों के पुनर्वास की सुविधा आदि पर खर्च किया जाएगा।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 18 अप्रैल को राज्य सरकार के अधिकारियों से ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों के लिए कल्याणकारी कदम उठाने को कहा था। मुख्यमंत्री के रूप में पहले कार्यकाल में आदित्यनाथ ने 2021 में राज्य में ह्यट्रांसजेंडर कल्याण बोर्डह्ल का गठन किया था। उत्तर प्रदेश में ट्रांसजेंडर की आबादी करीब 20 लाख है और इनमें से ज्यादातर के पास शिक्षा और जीविका के बेहद सीमित साधन उपलब्ध हैं। हालांकि, ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की पहली बैठक समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण की अध्यक्षता में 19 अप्रैल, 2022 को हुई। बोर्ड की उपाध्यक्ष सोनम चिश्ती और सदस्यों टीना मां, किरण बाबा, मधु और डॉक्टर सत्यप्रकाश सिंह ले लखनऊ में हुई बैठक में हिस्सा लिया। मंत्रालय के सूत्रों ने पीटीआई...को बताया, ह्यह्यउत्तर प्रदेश में ट्रांसजेंडर समुदाय के कल्याण और विकास के लिए 200 करोड़ रुपये का बजट प्रस्ताव किया गया है।
इसमें से करीब 25 करोड़ रुपये समुदाय के युवाओं की शिक्षा पर खर्च किए जाएंगे।ह्ल सूत्र ने बताया, ह्यह्यइस जनगणना, राज्य में ट्रांसजेंडर लोगों की पहचान करने और यूआईडी (आधार कार्ड) में उनका पंजीकरण कराने के लिए की

जाएगी, ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकें। यह कार्य उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में किया जाएगा और डेटाबेस तैयार करके उसे केन्द्र सरकार के साथ भी साझा किया जाएगा।ह्ल मंत्रालय सरकार के अन्य विभागों को ट्रांसजेंडर समुदाय की कॉलोनियों के लिए सड़क, पानी और बिजली का कनेक्शन आदि देने में तेजी लाने के लिए भी पत्र लिखेगा। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय ने वृद्धाश्रमों जैसाट्रांसजेंडर समुदाय के बुजुर्गों के लिए ह्यगरिमा गृहह्ल बनाने का प्रस्ताव रखा है ताकि वे गरिमामय जीवन जी सकें। उन्होंने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की बैठक के बाद मंत्रालय ने मुख्यमंत्री के साथ पिछले सप्ताह हुई समीक्षा बैठक में राज्य सरकार के समक्ष प्रस्ताव पेश किया है। सरकार के फैसले के बाद ट्रांसजेंडर जनगणना की तारीख तय होगी।

कैया नायडू ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का किया उद्घाटन, अनुराग ठाकुर बोले- खेल की भावना का करें सम्मान

बेंगलुरू। (एजेंसी)

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आगाज हुआ। इस दौरान उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने इसका उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, राज्यपाल थावर चंद गहलोत और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर मौजूद रहे।
समाचार एजेंसी के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है। मैं तो कहूंगा कि आप खेल की भावना का सम्मान करिए और आगे बढ़ें। मुझे भरोसा है कि पिछली बार की तरह इस बार भी जो छात्र यूनिवर्सिटी खेलों में खेल रहे हैं उनको भविष्य में आप देश के लिए खेलते हुए देखेंगे। मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि यूनिवर्सिटी एक ऐसी जगह है जहां आपको हर क्षेत्र में बेहतर होने का मौका मिलता है। यही समय है जब आपको बाहर निकलकर साहसी कार्य करना चाहिए। आप अपने पंख खोलो और जितना उड़ सकते हो उड़ो। जो भी असंभव हो उसे अपने प्रयास से संभव कर दिखाओ। गौरतलब है कि खेलो इंडिया

यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन कोरोना महामारी के कारण एक साल की देरी से हो रहा है। इसमें 200 से अधिक यूनिवर्सिटी के 4,000 से अधिक खिलाड़ी 20 खेलों में हिस्सा लेंगे। जिसमें तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, तलवारबाजी, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, निशानेबाजी, तैराकी, टेनिस जैसे खेल शामिल हैं।

अमित शाह दिल्ली को सांप्रदायिक हिंसा से बचाने में असफल रहे: पवार

मुंबई (एजेंसी)

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली की सांप्रदायिक दंगों से रक्षा नहीं कर सके।
पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर में राकांपा की रैली को संबोधित करते हुए पवार ने दिल्ली के जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा का संदर्भ देते हुए कहा, 'कुछ दिन पहले दिल्ली सांप्रदायिक हिंसा की वजह से जल रही थी। दिल्ली राज्य को (मुख्यमंत्री) अरविंद केजरीवाल नियंत्रित करते हैं लेकिन वहां की पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आती है जिसको अमित शाह देखते हैं। शाह शहर को सांप्रदायिक हिंसा से बचाने में असफल रहे।' उन्होंने कहा, 'अगर दिल्ली में कुछ भी होता है तो संदेश पूरी दुनिया में जाता है। विश्व कल्पना करेगा कि दिल्ली में अशांति है। आप सत्ता में हैं लेकिन आप दिल्ली को नहीं संभाल सकते।' पवार ने हुगली में हुए दंगों को लेकर कर्नाटक की भाजपा सरकार पर भी निशाना साधा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की दुकानों और उनके मालिकों का उल्लेख होर्डिंग पर किया गया हैं। साथ ही यह भी लिखा गया है कि लोगों को ऐसी दुकानों से खरीदारी नहीं करनी चाहिए। यह तस्वीर उन राज्यों में आम है जहां पर भाजपा सत्ता में है।

जहांगीरपुरी हिंसा के आरोपियों पर ईडी ने दर्ज किया केस

-जब्त सकती है अवैध संपत्तियां

नई दिल्ली (एजेंसी)

राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हुई हिंसक झड़प मामले में आरोपियों पर अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भी घेराबंदी शुरू हो गई है। ईडी ने मुहम्मद अंसार समेत अन्य सभी आरोपितों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत केस दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने शुक्रवार को ईडी को पत्र लिखकर मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत आरोपितों की जांच का अनुरोध किया था।
ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दिल्ली पुलिस के पत्र का संज्ञान लेते हुए आरोपितों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। अब ईडी जल्द ही दिल्ली पुलिस में दर्ज एफआइआर की कापी समेत अन्य दस्तावेज अपने कब्जे में लेगी। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस की जांच में मिले सुबूतों को भी साझा करने के लिए कहा जाएगा। इन दस्तावेजों को जुटाने और उनका विश्लेषण करने के बाद आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी।
वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जहांगीरपुरी हिंसा के पीछे आपराधिक साजिश की जांच दिल्ली पुलिस करेगी और उनका काम सिर्फ

इसके लिए की गई फंडिंग की परतों को खोलना और सुबूत जुटाकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करना होगा। दरअसल जहांगीरपुरी हमले के मुख्य आरोपित मुहम्मद अंसार के पास अकूत संपत्ति का होना दिल्ली पुलिस के लिए हैरानी का विषय बना हुआ है। माना जा रहा है कि अंसार किसी बड़े रैकेट का हिस्सा है जो बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को दिल्ली व अन्य शहरों में अवैध रूप से बसाने का काम करता है। इसके एवज में उसे करोड़ों रुपये की फंडिंग मिलती थी। ईडी अब यह पता लगाएगा कि आखिर अंसार के पास इतनी संपत्ति कहां से आई। मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत ईडी को अवैध कमाई से बनाई गई संपत्ति को जब्त करने का अधिकार है और आरोप साबित होने के बाद दोषी को इसके लिए अलग से सजा का भी प्रविधान है।

यस बैंक के राणा कपूर बोले- प्रियंका से पेंटिंग खरीदने का था दबाव, उसी रकम से हुआ सोनिया गांधी का इलाज

मुंबई (एजेंसी)

देश में शीर्ष से धमाड़ होने वाले यस बैंक की कहानी से सभी वाकिफ है अब एक नई कहानी सामने आ रही है। बैंक के सह संस्थापक राणा कपूर ने दावा किया है कि उन्हें कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से एम एफ हुसैन की पेंटिंग खरीदने के लिए मजबूर किया। साथ ही तस्वीर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल गांधी परिवार ने सोनिया गांधी का न्यूयॉर्क में इलाज कराने के लिए किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से धनशोधन के मामले में मुंबई की विशेष अदालत में दाखिल आरोप पत्र में यह बात कही गई है।
आरोप पत्र के मुताबिक, कपूर ने ईडी को बताया कि तत्कालीन पेट्रोलियम मंत्री मुरली देवड़ा ने कहा था कि अगर उसने एमएफ हुसैन की पेंटिंग को खरीदने से मना किया तो न केवल इससे गांधी परिवार से संबंधों को बनाने में बाधा उत्पन्न होगी, बल्कि उससे 'पद्म' सम्मान प्राप्त करने में कठिनाई होगी। राणा कपूर का यह कथित बयान ईडी की ओर से विशेष अदालत में धन शोधन के मामले में दाखिल दूसरे पूरक आरोप पत्र (कुल तीन) का हिस्सा है। यह आरोप पत्र यस बैंक के सह संस्थापक, उसके परिवार, दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचईएल) के प्रवर्तक कपिल और

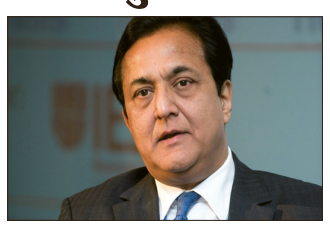

धीरज वाधवान और अन्य के खिलाफ दाखिल किया गया है। आरोप पत्र के मुताबिक कपूर ने दावा किया है कि उसने पेंटिंग के एवज में दो करोड़ रुपये की राशि का भुगतान चेक में किया। उसने दावा किया कि मिलिंद देवड़ा ने गोपनीय तरीके से उन्हें सूचना दी कि इस पेंटिंग की बिक्री से मिलने वाले धन का उपयोग गांधी परिवार सोनिया गांधी के न्यूयॉर्क में उपचार पर करेगा। कपूर ने ईडी को यह भी बताया कि सोनिया गांधी के करीबी अहमद पटेल ने उनसे कहा था कि गांधी परिवार की इस सही समय पर सोनिया गांधी के उपचार में सहयोग कर उन्होंने अच्छा काम किया है और 'पद्म भूषण' देने के लिए उनके नाम पर समुचित ढंग से विचार किया जाएगा। आरोप पत्र के मुताबिक मुरली देवड़ा ने राणा कपूर को इसलिए भी मनाने का प्रयास किया था कि पेंटिंग खरीदने से इंकार करने पर उन्हें गांधी परिवार से संबंध बनाने का मौका नहीं मिलेगा और यह उन्हें पद्म सम्मान से सम्मानित करने की राह को भी रोकेगा। ईडी को दिए बयान में कपूर में दावा किया कि दिवंगत देवड़ा ने रात्रिभोज के दौरान बताया कि पेंटिंग खरीदने से मना करने का उन पर और यस बैंक पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकते हैं। कपूर को मार्च 2020 में गिरफ्तार किया गया था और इस समय वह न्यायिक हिरासत में है। प्रियंका गांधी वाड्रा से कथित तौर पर कपूर द्वारा खरीदी गई पेंटिंग के बारे में आरोप पत्र में कहा गया, ₹सबसे पहले मैं यह बताना चाहता हूं कि यह जोर डालकर कर की गई बिक्री थी जिसके लिए मैं कभी तैयार नहीं था।₹ मिलिंद देवड़ा ने कई बार उनके (राणा कपूर) घर और कार्यालय आए ताकि उन्हें प्रियंका गांधी वाड्रा से एमएफ हुसैन की पेंटिंग खरीदने के लिए मना सके। आरोप पत्र में कहा गया है कि ईडी से कपूर ने कहा, ₹उन्होंने मुझे कई बार अलग-अलग मोबइल नंबर से फोन किया। बल्कि वह यह सौदा कराने को लेकर बहुत प्रतिबद्ध थे। मैंने भी कई दिनों तक उनके फोन/संदेश और व्यक्तिगत मुलाकात के प्रस्ताव को नजर अंदाज कर इसे टालने की कोशिश की।₹ कपूर ने दावा किया कि इस करार को टालने की कई प्रयासों के बावजूद वे अप्रत्याशित रूप से सौदे को तेजी से अंतिम रूप देना चाहते थे। उन्होंने बताया कि 2010 में मुरली देवड़ा ने उन्हें नई दिल्ली के लोधी एस्टेट बंगले पर मारवाड़ी रात्रि भोज पर मिलने के लिए विवश किया।

कोरोना वायरस का प्रकोप तेज, 24 घंटे में 2593 नए केस, 44 मरीजों ने दम तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)

महामारी के कोविड-19 के वायरस ने एक बार फिर देश पर हमला बोला है जिसके चलते कोरोना केसों में बढ़ोतरी का दौर जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान देश में कोरोना के 2593 नए मामले दर्ज किए गए और 44 मौतें हुईं। इसके बाद एक्टिव केसों की संख्या 15873 हो गई है, जो कुल केसों का 0.04 प्रतिशत है। यह लगातार 5वां दिन है, जब देश में कोरोना के 2 हजार से ज्यादा केस मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 2527 नए मामले सामने आए थे। शुक्रवार को 2451 केस, गुरुवार को 2380, और बुधवार को 2067 नए कोविड केस मिले थे। पिछले 24 घंटों में 1755 लोगों को कोरोना इलाज के बाद छुट्टी दी गई है। देश में कोरोना के लगातार बढ़ते केसों ने केंद्र सरकार के लिए भी चिंता बढ़ा दी है। राजधानी दिल्ली में कोरोना केसों में काफी इजाफा देखने को मिला है। इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कोविड-19 की स्थिति को लेकर बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करने का फैसला किया है, आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है।
स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में पिछले 24 घंटों में 1755 लोग कोरोना से ठीक हुए हैं। रिकवरी रेट 98.75 प्रतिशत है। सक्रिय केसों की बात करें तो कोरोना के सबसे ज्यादा सक्रिय 3705 मामले राजधानी दिल्ली में हैं। उसके बाद केरल (2658), कर्नाटक (1721), हरियाणा (1692), असम (1354) और यूपी (1122) का नंबर है। पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा ठीक होने वाले 640 मरीज भी दिल्ली में रहे।
मौतों की बात करें तो दिल्ली में 2 और यूपी, महाराष्ट्र, झारखंड और बंगाल में 1-1 मरीज की मौत कोरोना की वजह से दर्ज की गई। मंत्रालय की बेवसाइट के मुताबिक, इन 44 मौतों में से 38 मौतें केरल में पिछले दिनों हुई थीं, जो उसने अब अपडेट की हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान केरल में कोरोना से किसी की जान जाने की सूचना सरकार ने नहीं दी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

RTI से जुड़े मुद्दों को लेकर आयोजित हुआ

96 वां राष्ट्रीय वेबिनार

वरिष्ठ समाजसेवी निखिल डे और सूचना आयुक्तों ने रखे अपने विचार

क्रांति समय, सूरत www.krantisamay.com www.epaper.krantisamay.com

आरटीआई कानून को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय स्तर पर वेबीनार का 96 वां एपिसोड 24 अप्रैल को संपन्न हुआ। इस बीच कार्यक्रम में मजदूर किसान शक्तिसंगठन के सहसंथापक एवं वरिष्ठ समाजसेवी निखिल डे एवं उनके सहयोगी आसमी शर्मा एवं कमल कुमार सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी, उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त अजय उप्रेती, मप्र राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह एवं पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने भी अपने विचार रखे।

राजस्थान सरकार का जन सूचना पोर्टल और ऑनलाइन आरटीआई पोर्टल बेहतर

कार्यक्रम में राजस्थान से मजदूर किसान शक्तिसंगठन से आसमी शर्मा और कमल कुमार ने बताया की राजस्थान सरकार के द्वारा चलाया जा रहा जन सूचना पोर्टल काफी महत्वपूर्ण है जिसमें हर विभाग की अधिकतम जानकारियों को साझा किया गया है। कार्यक्रम में कमल कुमार ने स्लाइड शो प्रजेंटशन के माध्यम से पूरे पोर्टल की बारीकियों के विषय में बताया जिसमें गरीबों के पीडीएस

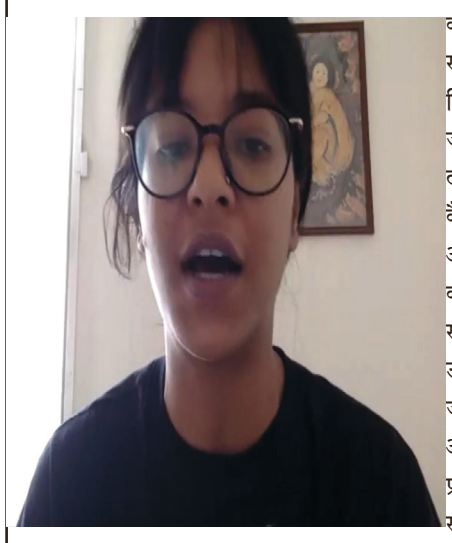

कंट्रोल के राशन के विषय में भी जानकारी दी गई कि कैसे प्रत्येक आवेदक को कब कितना राशन मिला उसकी पूरी जानकारी ऑनलाइन प्राप्त की जा सकती है। इसी प्रकार अन्य विभागों के बारे में भी जानकारी दी गई.

आरटीआई वेबीनार देशभर के एक्टिविस्टों को जोड़ने का एक अच्छा तरीका लेकिन ग्राउंड मीटिंग भी आवश्यक - निखिल डे

देश में चल रहे हालातों के मद्देनजर बात रखते हुए मजदूर किसान शक्ति संगठन के सह संस्थापक और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता निखिल डे ने कहा कि आज 100 वें नेशनल आरटीआई वेबीनार की तरफ अग्रसर है। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी पहल है और बिना रुके हुए आज इस स्थान पर पहुंचना हम सब के लिए काफी खुशी की बात है. इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जहां ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से हम देश के विभिन्न कोनों से कार्यकर्ताओं से जुड़ सकते हैं वही हमें बीच-बीच में सरकार पर दबाव बनाने के लिए संवाद भी स्थापित करने पड़ेंगे और जाकर विभाग प्रमुखों और मंत्रियों/जिम्मेदारों के साथ चर्चा करनी पड़ेगी. उन्होंने कहा यदि आरटीआई कानून आज है वह काफी मेहनत मशक्कत और सरकार पर चढ़ाई करने और संवाद करने के कारण है। हालांकि उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं की ऑनलाइन माध्यम औचित्यहीन हो गए हैं। उन्होंने कहा की ऑनलाइन माध्यम से भी हम सब को काफी लाभ प्राप्त हो रहा है और अपनी बातें देश के विभिन्न लोगों तक पहुंचा पा रहे हैं लेकिन आज आवश्यकता है की इन्हीं सब मुद्दों को लेकर एकजुट होने की और पारदर्शिता कानून के बाद सरकार जवाबदेही कानून हर प्रदेश और केंद्र सरकार के द्वारा लागू किया जाए। निखिल डे ने कहा की 100 वें आर टी आई मीटिंग में 22 मई 2022 के दिन हम सबको मिलकर एक मसौदा तैयार करना चाहिए लिखित तौर पर इसे भारत सरकार को भेजा जाना चाहिए।

सरकारें ब्लैकमेलिंग के गलत मुद्दे को लेकर पारदर्शिता कानून को दबाना चाहती हैं - विशेषज्ञ

कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ समाजसेवी निखिल डे, पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी एवं मध्यप्रदेश के पूर्व राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने कहा कि वास्तव में देखा जाए तो ब्लैक मेलिंग जैसा कोई शब्द नहीं है। और यदि सरकारी योजनाएं आती हैं तो उन में अनियमितता होने के कारण आरटीआई लगाया जाना स्वाभाविक है. अत: अधिक आरटीआई लगाए जाने से कोई व्यक्ति ब्लैकमेलर की श्रेणी में नहीं आता है। सरकार को अपने कार्यों में ज्यादा से ज्यादा पारदर्शिता लानी चाहिए और धारा 4 के प्रावधानों के तहत अधिक से अधिक जानकारी पब्लिक

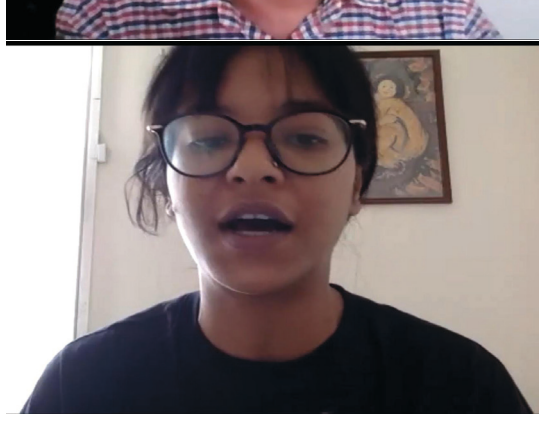

पोर्टल पर साझा करनी चाहिए जिससे जानकारी का दुरुपयोग न हो पाए। उन्होंने कहा की पारदर्शिता को दबाने के लिए सरकारी मुलाजिम ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाते हैं जो गलत है और हम सबको मिलकर इस विषय पर काम करने की आवश्यकता है। प्रयास किया जाना चाहिए जो जानकारी आवेदकों के द्वारा मागी जा रही है वह सीधे वेब पोर्टल पर रख दी जाए जिससे किसी भी प्रकार के सवाल न उठे क्योंकि वह जानकारी ही होती है जिसको दुरुपयोग करते हुए आरटीआई को बदनाम किया जाता है। दुरुपयोग तब होता है जब जानकारी दबी रह जाती है और यदि पोर्टल में डाल दी जाएगी तो दुरुपयोग का प्रश्न नहीं उठेगा।

राजस्थान सरकार के जन सूचना पोर्टल और ऑनलाइन आरटीआई व्यवस्था को पूरे देश में लागू किया जाए - शैलेश गांधी

उधर पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने पूरे मसले पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार को प्रदेश की अन्य सरकारों में अपना जन सूचना पोर्टल और ऑनलाइन आरटीआई फाइल करने की व्यवस्था की तकनीक को साझा करना चाहिए और क्योंकि यह व्यवस्था अच्छी है इसलिए यदि सभी प्रदेशों में लागू हो जाएगी तो आवेदकों को आरटीआई लगाने में दिक्कतों का सामना कम करना पड़ेगा और साथ में जन सूचना पोर्टल जैसी व्यवस्था सुनिश्चित हो जाने से धारा 4 की पालना में भी मदद मिलेगी। शैलेश गांधी ने कहा की धारा 4 के तहत जानकारियां पब्लिक पोर्टल पर रखी जाती हैं जो कि राजस्थान सरकार के जन सूचना पोर्टल के माध्यम से काफी हद तक साकार हो रहा है लेकिन यह व्यवस्था और भी अधिक दुरुस्त किए जाने की जरूरत है।

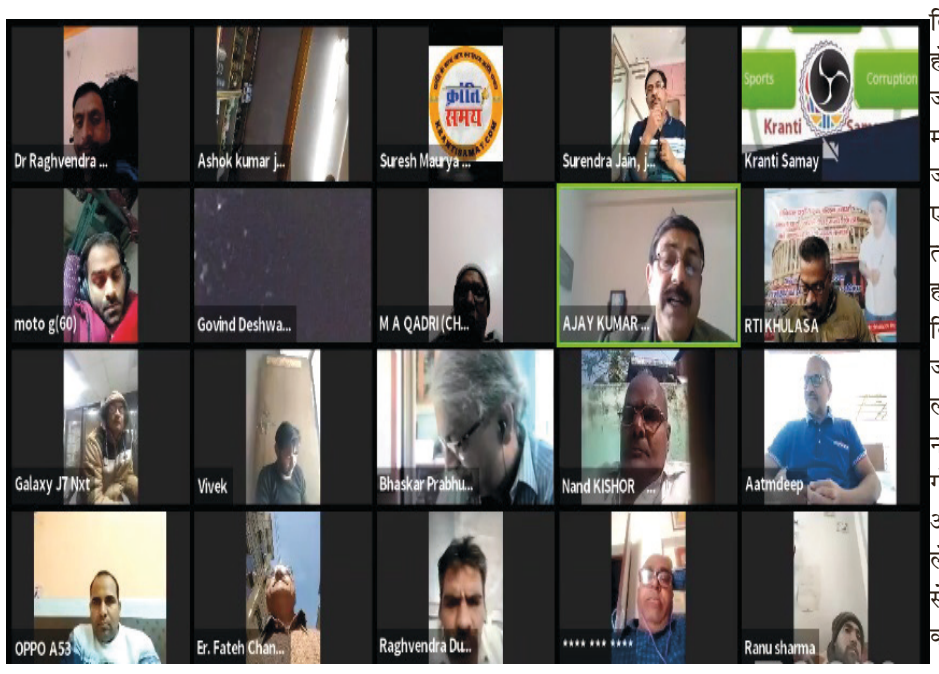

एक बार पुन: शैलेश गांधी ने धारा 8(1)(जे) और 8 एवं 9 के तहत जानकारियां आम व्यक्ति तक उपलब्ध न किए जाने संबंधी गिरीश रामचंद्र देशपांडे नामक सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा की इसकी वजह से आज अधिकतर जानकारियां रोकी जा रही हैं जो बिल्कुल आरटीआई कानून की मंशा के विपरीत है और सभी को मिलकर इसका विरोध किया जाना चाहिए। एक आवेदक के प्रश्न पर शैलेश गांधी ने कहा कि जो भी व्यक्ति आरटीआई लगाकर सरकारी जानकारी प्राप्त करना चाहता है उसे अपना नाम पता और व्यक्तिगत जानकारी न प्रकाशित हो ऐसी मंशा नहीं रखनी चाहिए। एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी के द्वारा साकेत गोखले के मामले पर प्रकाश डाला गया और कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट के एक निर्देश के बाद आरटीआई आवेदकों की व्यक्तिगत जानकारी को वेब पोर्टल से हटाने का निर्देश दिया गया था लेकिन उसका साइड इफेक्ट यह हुआ कि ऐसी समस्त जानकारियां व्यक्तिगत की श्रेणी में आने से उसे धारा 8 का हवाला देकर न दिए जाने की बातें होने लगी। उन्होंने कहा इन सब से होगा क्या कि जो भी जानकारी हमें आज प्राप्त हो रही है उससे हम वंचित हो जाएंगे।

प्राइवेट यूनिवर्सिटी और प्राइवेट संस्थान की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं - आत्मदीप

पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने बताया कि उनके कार्यकाल में रेड क्रॉस सोसाइटी से संबंधित है एक आरटीआई अपील प्राप्त हुई थी. जिस पर उन्होंने काफी रिसर्च किया था और तब पता चला की रेड क्रॉस संस्था एक संवैधानिक संस्था है जिसे संसद में बिल के तहत पारित किया गया था अत: वह आरटीआई के दायरे में आती है। लेकिन इसके पहले रेडक्रास आरटीआई के दायरे में नहीं आती ऐसा दलील स्वयं रेडक्रास के द्वारा दिया जाता था। इन्हीं प्रश्नों के जवाब में पूर्व मध्य प्रदेश सूचना आयुक्त ने कहा कि सभी प्राइवेट यूनिवर्सिटी आरटीआई के दायरे में आती हैं और अन्य प्राइवेट संस्थान जैसे प्राइवेट स्कूल, नर्सिंग होम, प्राइवेट क्लीनिक, से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए उत्तरदाई सरकारी संस्थानों में आरटीआई लगाई जानी चाहिए जहां पर यह सभी प्राइवेट संस्थान अपनी जानकारी और दस्तावेज नियम के तहत प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने यह भी कहा की जो संस्थान सरकार से अपने वार्षिक टर्नओवर का कम से कम 50% या 50 हज़ार रुजो भी अधिक हो का सहयोग प्राप्त कर रहे हैं अथवा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई डोनेशन या कोई सरकारी भूमि या कोई सामग्री जिस किसी माध्यम से सरकार से प्राप्त कर रहे हैं वह सभी आरटीआई के दायरे में आते हैं।

उत्तर प्रदेश में अपील के निराकरण के बाद भी आवेदन लगाकर पुनर्सुनवाई का विकल्प मौजूद - अजय उप्रेती

कार्यक्रम में प्रारंभ में ही जुड़े उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त अजय कुमार उप्रेती ने एक आवेदिका नीरूवार्ष्णेय के प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में सूचना आयोग में पुन: सुनवाई की व्यवस्था है. यदि कोई आदेश दे दिया गया है और आवेदक उससे संतुष्ट नहीं है तो पुन: सुनवाई और केस को दोबारा खोलने के लिए आवेदन पत्र दे सकते हैं. वसूली के मामले पर जवाब देते हुए अजय कुमार उप्रेती ने बताया कि वह संबंधित ट्रेजरी विभाग में लोक सेवकों से जुर्माने की वसूली के लिए निर्देशित करते हैं और यदि इसके बाद भी वसूली नहीं हो पाती है तो भू राजस्व संहिता जिसे आरआरसी कहा जाता है उसके तहत कार्यवाही करने के लिए निर्देशित करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले हैं जो इस प्रक्रिया के तहत चलाए जा रहे हैं और वसूली की जा रही हैं। उत्तर प्रदेश प्रयागराज से अशोक कुमार जायसवाल ने कहा कि हम सब की इन मीटिंग का प्रभाव यह हुआ है कि पहली बार उत्तर प्रदेश में राज्य सूचना आयोग में द्वितीय अपील की सुनवाई 90 दिन के भीतर की जा रही हैं जो काफी प्रसन्नता की बात है और इसके लिए उत्तर प्रदेश सूचना आयोग बधाई के पात्र हैं। इस विषय पर अजय कुमार उप्रेती के द्वारा बताया गया कि उन्होंने प्रारंभ से ही इस पर जोर दिया है कि उनके पास आने वाली अपीलों का निराकरण उनके पास फाइल होने के 3 माह के भीतर कर दिया जाए. सुनिधि चौधरी नामक एक आरटीआई आवेदिका के द्वारा कहा गया कि उन्होंने वारिसना/नामांतरण से संबंधित जानकारी चाही थी लेकिन उन्हें उपलब्ध नहीं हो पाई है तब उप्र सूचना आयुक्त के द्वारा बताया गया कि वह इसके लिए प्रथम अपील करें और यदि जानकारी तब भी न मिले तो द्वितीय अपील सीधे सूचना आयोग में करें और जब मामला उनके पास आएगा तो वह राजस्व सबंधी अभिलेख से संबंधित समस्त जानकारी उपलब्ध करवाएंगे।